Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक संजीवनी टुडे

sanjeevnitoday.com

समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 10 अंक: 315 जयपुर, बुधवार, 17 अप्रैल 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ` 1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे

27-27 लाख के दो इनामी नक्सली मारे गए

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सली मारे: 3 जवान घायल; साढ़े 5 घंटे चली मुठभेड़

■ संजीवनी टुडे

कांकेर। कांकेर जिले के माड़ इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मंगलवार दोपहर 2 बजे मुठभेड़ शुरू हुई थी। घायल जवानों को पहले छोटे बेठिया थाने लाया गया यहां से फिर उन्हें चौपर से रायपुर भेजा गया। लोकसभा चुनाव के पहले छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। कांकेर जिले के माड़ इलाके में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। सभी के शव बरामद हो गए हैं। इनमें नक्सली लीडर शंकर राव भी शामिल है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने इसे बस्तर पुलिस का नक्सलवाद पर सर्जिक स्ट्राइक बताया है। मुठभेड़ में बीएसएफ इंस्पेक्टर रमेश चौधरी सहित 3 जवान घायल हुए हैं। इनमें 2 बीएसएफ के जवान हैं। मौके से 5 एके-47 बरामद की गई। घायल जवानों को हेलीकॉप्टर से रायपुर लाया गया। डीआरजी का घायल जवान सूर्यवंशी श्रीमाली धमतरी जिले के नगरी का रहने वाला है। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के छोटे बेठिया के माड़ इलाके में मंगलवार दोपहर से पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। इस मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं। इसकी पुष्टि कांकेर एसपी आई के एलेसेला ने की है। एसपी में बताया कि, मुठभेड़ में घायल जवानों को जंगल से निकालने अतिरिक्त बल रवाना किया गया है।

कांकेर सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा

4 दिन बाद 19 अप्रैल को बस्तर लोकसभा में वोटिंग होनी है। कांकेर लोकसभा में दूसरे चरण में मतदान होना है। इसके लिए नामांकन फॉर्म भी भरे जा चुके हैं। कांकेर में 26 अप्रैल को वोटिंग होगी। मुठभेड़ में मारे गए शंकर राव और ललिता माड़वी डीवीसी रैंक के नक्सली लीडर थे। दोनों पर 25-25 लाख का इनाम घोषित था। पुलिस ने मौके से 4 ऑटोमेटिक हथियार भी जब्त किए हैं।

गांव-गांव में लग रहे नक्सलियों के पोस्टर

कबीरधाम जिले में नक्सलियों की सूचना देकर उन्हें पकड़वाने वाले को 5 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की गई है। एसपी अभिषेक पल्लव ने इनाम के साथ ही पुलिस विभाग में सरकारी नौकरी देने का भी ऐलान किया है। सूचना देने के लिए एक हेल्प लाइन नंबर 78988 15399 भी जारी किया गया है। इसके लिए जवान गांव-गांव में नक्सलियों की तस्वीर वाली पोस्टर दीवारों पर लगा रहे हैं।

साढ़े पांच घंटे चली मुठभेड़

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ साढ़े 5 घंटे चली। डीआईजी इंटेलिजेंस आलोक कुमार सिंह ने बताया, पिछले कुछ दिनों से कांकेर इलाके में नक्सलियों के मूवमेंट के इनपुट्स मिल रहे थे। इसके बाद पुलिस और बीएसएफ ने ऑपरेशन की तैयारी की। इसी के तहत आज का ऑपरेशन प्लान किया गया। नक्सलियों को दोपहर करीब एक बजे घेर लिया गया। 2 बजे मुठभेड़ शुरू हुई और शाम को 7.30 बजे तक यह चली। इस दौरान, सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के शव भी बरामद भी किए।

45 से 50 मिनट तक दोनों ओर से लगातार फायरिंग

सुबह 45 से 50 मिनट तक दोनों ओर से लगातार फायरिंग हुई। इसके बाद फायरिंग रुकी तो जवानों ने सर्चिंग शुरू की। सुबह जवानों ने 4 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए थे। दोपहर तक 4 और नक्सलियों के शव मिले हैं। शाम करीब 6 बजे 2 और शव बरामद किए गए। बाद में शवों की संख्या 13 हो गई। छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि हम शांतिपूर्ण समाधान की ओर बढ़ना चाहते हैं। सरकार नक्सलियों से चर्चा करने के लिए तैयार है। हम चाहते हैं कि बस्तर के हर गांव को वर्तमान समय की बुनियादी जरूरतें मिलें। हमें समझना होगा कि कोई क्यों नहीं चाहता कि बस्तर के गांवों तक विकास पहुंचे।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मॉब लिंचिंग को धर्म से जोड़ना गलत

ऐसे मामलों में सिलेक्टिव न हों, याचिका में कन्हैयालाल हत्याकांड का जिक्र नहीं था

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार 16 अप्रैल को कहा कि मॉब लिंचिंग की घटनाओं को धर्म के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच मॉब लिंचिंग से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। नेशनल फ़ेडरेशन ऑफ इंडियन वुमन ने पिछले साल यह याचिका लगाई थी। इसमें अल्पसंख्यकों के खिलाफ भीड़ की हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी पर चिंता जताई गई थी। साथ ही मॉब लिंचिंग में जान गंवाने वाले पीड़ितों के परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की गई थी। कोर्ट के पूछने पर याचिकाकर्ता ने बताया था कि याचिका में उदयपुर के कन्हैया लाल हत्याकांड का जिक्र नहीं है। इस पर कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में सिलेक्टिव मत बनिए, क्योंकि यह मामला सभी राज्यों से जुड़ा है। कोर्ट ने महाराष्ट्र, उड़ीसा, राजस्थान और बिहार से मॉब लिंचिंग मामलों में की गई कार्रवाई को लेकर 6 हफ्ते में जवाब भी मांगा है। कोर्ट ने कहा कि हमने पिछले साल 6 राज्यों से जवाब देने को कहा था, लेकिन अब तक सिर्फ मध्य प्रदेश और हरियाणा ने ही जवाब दिया है। अगली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की गर्मियों की छुट्टियों के बाद होगी। वकील निजाम पाशा ने कोर्ट में याचिकाकर्ता का पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान पाशा ने कहा कि मध्य प्रदेश में मॉब लिंचिंग की घटना हुई थी, लेकिन पीड़ितों के खिलाफ गोहत्या की एफआईआर दर्ज की गई। अगर राज्य सरकार मॉब लिंचिंग की घटना से ऐसे ही इनकार करती रही तो 2018 के तहसीन पूनावाला मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन कैसे होगा। पूनावाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को भीड़ खासकर गौरक्षकों द्वारा हत्या की घटनाओं की जांच करने के लिए कई निर्देश जारी किए थे। कोर्ट ने आदेश में राज्य सरकार को पीड़ितों को 1 महीने के अंदर मुआवजा देने का निर्देश दिया था। राजस्थान के उदयपुर में 28 जून 2022 को टेलर कन्हैयालाल की दो लोगों ने बेरहमी से हत्या की थी। फिर सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर हत्या की बात भी कबूल की थी। दो आरोपी रियाज अंसारी और मोहम्मद गौस बाइक पर आए थे। कपड़े का नाप देने का बहाना बनाकर दुकान में घुसे।

राजस्थान से बाहर भी फैला फर्जी डिग्री गैंग का नेटवर्क

दूसरे राज्यों से डिग्री लेने आते थे अभ्यर्थी, कमीशन पर बना रखे थे एजेंट

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। फर्जी डिग्री और सर्टिफिकेट से सैकड़ों लोगों को सरकारी नौकरी लगाने वाली गैंग का नेटवर्क राजस्थान से बाहर तक फैला हुआ है। सरकारी नौकरी के लिए डिग्री लेने दूसरे राज्यों से भी लोग इस गैंग के पास आया करते थे। 10 साल से सक्रिय गिरोह ने इतना बड़ा जाल फैलाया कि कमीशन पर एजेंट बना रखे थे, जो अभ्यर्थियों के लिए फर्जी डिग्री और सर्टिफिकेट लेने के लिए आते थे। यू-ट्यूब चैनलों के जरिए ये लोग कमजोर अभ्यर्थियों के संपर्क में आते और उनकी जरूरत को देखकर ये लोग फर्जी डिग्री ही नहीं डमी कैंडिडेट की भी व्यवस्था करते थे।

एसओजी सूत्रों की माने तो गैंग के मास्टरमाइंड कई प्राइवेट यूनिवर्सिटी में बैठे हैं। एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि गिरोह की ओर से फर्जी डिग्री, फर्जी मेडल और बैक डेट में एडमिशन दिलाने का काम किया जाता है। मामले में आरोपी सुभाष पूनिया (52) पुत्र गुरुदयाल निवासी बेरासर घुमाना थाना राजगढ़ (चूरू), उसके बेटे परमजीत हाल पीटीआई राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल गुर्जा पंचायत समिति बसेड़ी (धौलपुर) और प्रदीप शर्मा निवासी सरदार शहर (चूरू) को गिरफ्तार किया। इनसे पूछताछ के बाद

बीकानेर सीबीईओ ऑफिस में यूडीसी मनदीप सांगवान, उच्च माध्यमिक स्कूल देशनोक (बीकानेर) में यूडीसी जगदीश और फर्जी डिग्री प्रिंट करने वाले राकेश कुमार निवासी सरदारशहर (चूरू) को भी गिरफ्तार किया गया। गिरोह के पकड़े गए सभी 6 आरोपी 16 अप्रैल तक रिमांड पर है। गिरोह में शामिल 11 सदस्यों को ट्रम्क टीम ने चिह्नित किया है, जिनको पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। एसओजी ने गिरोह के बदमाशों से ओपीजेएस समेत 7 यूनिवर्सिटी की फर्जी डिग्रियां, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, प्रोविजनल सर्टिफिकेट, चरित्र प्रमाण पत्र, खेल प्रमाण पत्र, भरी हुई उत्तर पुस्तिकाएं, सैकड़ों स्टूडेंट की मार्कशीट, आधार कार्ड, यूनिवर्सिटी की फर्जी सील, चेक बुक समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपी 50 हजार से 2 लाख तक रुपए में फर्जी डिग्री धड़ल्ले से बेच रहे थे।

चुनाव में ड्यूटी दे रहे अफसर, इसलिए हो रही परेशानी

एडीजी वीके सिंह ने बताया कि उनकी मौजूदा समय में सबसे बड़ी परेशानी फोर्स की है। उनके ऑफिसर इस समय चुनाव ड्यूटी पर लगे हुए हैं। इस समय जब एसओजी को सबसे अच्छे ऑफिसर की जरूरत है तो उनको चुनाव ड्यूटी देनी पड़ रही हैं। इसके कारण गिरफ्तारी और कार्रवाई रुकी हुई है। चुनाव के बाद दोबारा से एसओजी एक्शन मोड पर दिखाई देने वाली है। एसओजी अभी उन लोगों को ही गिरफ्तार कर रही है, जिनके भागने की संभावना है। फर्जी डिग्री देने वाले लोग बिना यूनिवर्सिटी की मिलीभगत के इतना बड़ा काम नहीं कर सकते हैं। आने वाले दिनों ने प्राइवेट यूनिवर्सिटी पर एसओजी एक्शन करेगी। आरोपियों से हुई पूछताछ में सामने आया है कि सुभाष पूनिया दलाली का काम करता है। पीटीआई परमजीत यूनिवर्सिटी में बैक डेट में एडमिशन दिलाने, फर्जी खेल प्रमाण पत्र, फर्जी मेडल और फर्जी डिग्री देने का काम करता है।

विज्ञापन केस- पतंजलि ने सुप्रीम कोर्ट में फिर माफी मांगी

रामदेव बोले- काम के उत्साह में ऐसा हो गया, कोर्ट ने कहा- आप इतने मासूम नहीं हैं

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। पतंजलि भ्रामक विज्ञापन केस में मंगलवार को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच के सामने बाबा रामदेव और बालकृष्ण तीसरी बार पेश हुए। बाबा रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा- हम कोर्ट से एक बार फिर माफी मांगते हैं। हमें पछतावा है। हम जनता के बीच माफी मांगने को तैयार हैं। कोर्ट ने कहा- हम बाबा रामदेव को सुनना चाहते हैं। जस्टिस कोहली ने कहा- आपने (रामदेव) योग के लिए बहुत कुछ किया है। आपका सम्मान है, लेकिन आपने ये जो स्टेटमेंट दिया है- परम आदरणीय जज साहिब महोदया। अनकंडीशनली जो भी हमसे हुई हम अपोलोजाइज किए हैं। जिस चीज का आप प्रचार कर रहे हैं, हमारी संस्कृति में ऐसी कई चीजें हैं। लोग सिर्फ ऐलोपैथी नहीं, घरेलू पद्धतियां भी इस्तेमाल कर रहे हैं। नानी के नुस्खे भी। आप अपनी पद्धतियों के लिए दूसरों (एलोपैथी) को गलत क्यों बता रहे हैं। रामदेव ने कहा- किसी को भी गलत बताने का हमारा कोई इरादा नहीं था। आयुर्वेद को रिसर्च बेस्ड एविडेंस के लिए तथ्य पर लाने के लिए पतंजलि ने प्रयास किए हैं। आगे से इसके प्रति जागरूक रहूंगा। कार्य के उत्साह में ऐसा हो गया। आगे से नहीं होगा। इस पर कोर्ट ने कहा- आप इतने मासूम नहीं हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने पतंजलि के खिलाफ याचिका लगाई है

सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से 17 अगस्त 2022 को दायर की गई याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसमें कहा गया है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार किया। वहीं खुद की आयुर्वेदिक दवाओं से कुछ बीमारियों के इलाज का झूठा दावा किया। ऐसा लग नहीं रहा है कि कोई हृदय परिवर्तन हुआ हो। अभी भी आप अपनी बात पर अड़े हैं। आपको सात दिन का समय देते है। हम इस मामले को 23 अप्रैल को देखेंगे। आप दोनों (रामदेव-बालकृष्ण) उस दिन भी कोर्ट में मौजूद रहें। पतंजलि ने 2 और 9 अप्रैल को भी माफी मांगी, कोर्ट ने कहा- ये सिर्फ खानापूर्ति है बाबा रामदेव की तरफ से 2 अप्रैल को जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच में माफीनामा दिया गया था। बेंच ने पतंजलि को फटकार लगाते हुए कहा था कि ये माफीनामा सिर्फ खानापूर्ति के लिए है। आपके अंदर माफी का भाव नहीं दिख रहा। इसके बाद कोर्ट ने 10 अप्रैल को सुनवाई की तारीख तय की थी। 10 अप्रैल की सुनवाई से ठीक एक दिन पहले (9 अप्रैल को) बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के मैनेजिंग डायरेक्टर आचार्य बालकृष्ण ने नया एफिडेविट फाइल किया। इसमें पतंजलि ने बिना शर्त माफी मांगते हुए कहा कि इस गलती पर उन्हें खेद है और ऐसा दोबारा नहीं होगा।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में पहली रामनवमी

■ संजीवनी टुडे

25 लाख श्रद्धालु आएंगे, 90 फ्लाइट- 100 ट्रेनें चलेंगी

अयोध्या/लखनऊ। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली रामनवमी पर सबसे बड़ा आयोजन होने जा रहा है। 17 अप्रैल को दोपहर 12.16 बजे सूर्य की किरणों से रामलला का अभिषेक होगा। इस अद्भुत दृश्य को देखने और रामलला के दर्शन के लिए करीब 25 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं को सुगम रास्तों से लाने से लेकर लोकल कन्वेंस और पार्किंग की पूरी तैयारियां की गई हैं। 16, 17, 18 अप्रैल इन तीन दिनों में अयोध्या में 90 फ्लाइट उतरेंगी, 100 ट्रेनें पहुंचेंगी और 500 बसें लगाई गई हैं। शहर को सुरक्षा के लिहाज से 7 जोन और 39 सेक्टर में बांटा गया है। महर्षि वाल्मीक इंटरनेशनल

एयरपोर्ट को रामायण की थीम पर बनाया गया है। सबसे पहले यहां दिल्ली से फ्लाइट शुरू की गई थी। अब 14 शहरों से फ्लाइट यहां आ रही है। डेली 10 से 12 फ्लाइट एयरपोर्ट पर उतरती हैं। रोज 1 या 2 चार्टर्ड प्लेन से भी यात्री दर्शन के लिए पहुंचते हैं। एयरपोर्ट के एमडी विनोद कुमार के अनुसार, रामनवमी पर अगले 3 दिनों में अयोध्या 50 फ्लाइट और 40 चार्टर्ड विमान आएंगे। इनमें दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, पटना, जयपुर, हैदराबाद शामिल हैं। पैसेंजर्स के लिए एयरपोर्ट पर वीआईपी लाउंज एंड वेटिंग एरिया, 9 चेक-इन काउंटर और 3 कन्वेयर बेल्ट बनाए गए हैं। टर्मिनल एरिया में दिव्यांगों के लिए अलग रैंप है। पैसेंजर्स यहां रेस्ट कर सकते हैं और लोकल कन्वेंस की सुविधा भी यहीं से मिलेगी। एयरपोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, अगले 3 दिन में 4000 से ज्यादा यात्री प्लेन से अयोध्या पहुंचेंगे। रामनवमी स्पेशल ऑफर के तहत विमान कंपनियां रामनगरी आने वाली फ्लाइट्स की बुकिंग पर 2 हजार रुपए तक की छूट दे रही हैं।

तिहाड़ में बंद केजरीवाल बोले- मैं आतंकवादी नहीं हूं

संजय सिंह ने अरविंद का संदेश पढ़ा; कहा- पीएम मोदी के मन में बदले की भावना

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने मंगलवार (16 अप्रैल) को कहा, ''सीएम केजरीवाल ने तिहाड़ से जनता के नाम एक चिट्ठी लिखी है। संदेश भेजा है कि मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं आतंकवादी नहीं हूं। संजय ने आरोप लगाते हुए कहा कि जेल में केजरीवाल के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। पीएम मोदी नफरत में इतने आगे बढ़ चुके हैं कि केजरीवाल की उनकी पत्नी और परिवार वालों से मुलाकात के बीच में शीशे की दीवार खड़ी करवाते हैं। उन्होंने कहा कि जेड प्लस सिक्योरिटी वाले पंजाब के सीएम को दिल्ली के तीन बार के सीएम से कांच (ग्लास सेक्शन) के जरिए मिलना पड़ता है। भाजपा की इस हरकत ने जाहिर कर दिया है कि उनके मन में केजरीवाल के लिए नफरत और बदले की भावना भर चुकी है। भाजपा केजरीवाल को तोड़ने की कोशिश कर रही है। उनके साथ जेल में जो व्यवहार किया जा रहा है, उससे केजरीवाल और मजबूत होंगे। शराब नीति घोटाले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली।

संजय ने कहा था-केजरीवाल से जेल में पत्नी फ़ेस-टु-फ़ेस नहीं मिल पातीं, भाजपा के दबाव में तिहाड़ जेल प्रशासन

आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के साथ अमानवीय व्यवहार होने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार (13 अप्रैल) को कहा- मुख्यमंत्री को उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल से फ़ेस-टु-फ़ेस मिलने नहीं दिया जा रहा है। वे एक खिड़की के जरिए उनसे मिल रही हैं। जेल के नियम 602 और 605 के मुताबिक, फ़ेस-टु-फ़ेस मीटिंग कराई जा सकती है। खूंखार अपराधियों की भी परिवारवालों से बैरक में मुलाकात होती है, लेकिन सुनीता को जेल प्रशासन ने कांच की खिड़की के जरिए मिलने की इजाजत दी है। प्रशासन भाजपा के दबाव में है। दिल्ली शराब नीति केस में 21 मार्च को गिरफ्तार हुए केजरीवाल 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, जो खारिज कर दी गई। इसके बाद उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर 15 अप्रैल को सुनवाई होनी है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने रविवार को कहा कि हम मामले की सुनवाई इस महीने (अप्रैल) के आखिरी हफ्ते में करेंगे। उधर, राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी है।

राजस्थान में वोटिंग के दिन गिरेंगे ओले, चलेगी आंधी

■ संजीवनी टुडे

जयपुर सहित 12 जिलों के लिए अलर्ट, 18 अप्रैल को भी कुछ इलाकों में होगी बारिश

जयपुर। राजस्थान में इस बार भले ही तेज गर्मी के संकेत हों, लेकिन लगातार एक के बाद एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस आने से लोगों को राहत है। पिछले दो दिन से प्रदेश में चल रहा आंधी-बारिश का दौर आज (मंगलवार) थम जाएगा। अब अगले दो दिन आसमान साफ रहने और तापमान बढ़ने की संभावना है। अब 18 अप्रैल से एक बार फिर मौसम में बदलाव होगा। आंधी-बारिश का दौर शुरू होगा। मौसम विभाग से जारी फोरकास्ट देखें तो 19 अप्रैल को लोकसभा की 12 सीटों पर वोटिंग के दिन लगभग सभी लोकसभा क्षेत्रों में बादल छाए रह सकते हैं। कुछ स्थानों पर आंधी चलने के साथ बारिश और ओले भी गिर सकते हैं। राजस्थान में आज जोधपुर, पाली, सिरोही और जैसलमेर के कुछ हिस्सों में आसमान में बादल छाए हैं, जबकि शेष राजस्थान में मौसम साफ है। आसमान साफ होने के साथ ही गर्मी फिर से बढ़नी शुरू हो गई। सोमवार की रात सबसे ज्यादा गर्मी फलोदी में रही। रात का न्यूनतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जोधपुर, डूंगरपुर, कोटा, जयपुर, अलवर और अजमेर में भी बीती रात न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही रहा। अलवर, डूंगरपुर, करौली, बाड़मेर, जैसलमेर, गंगानगर, चूरू और बीकानेर में सोमवार को तापमान करीब 2 से 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया था। 39.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ डूंगरपुर में कल सबसे ज्यादा गर्मी रही। करौली, जालोर, कोटा, अलवर में भी कल दिन का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस 18 अप्रैल को प्रदेश में एक्टिव होगा। इसका असर कल देर शाम से पश्चिमी राजस्थान के जिलों में देखने को मिलेगा। जोधपुर, बीकानेर के सरहदी जिलों में बुधवार देर रात से आसमान में बादल छाने लगेंगे। तेज धूलभरी हवा चलने लगेगी। मौसम केन्द्र जयपुर ने 18 अप्रैल को बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, गंगानगर में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

यूपीएससी का रिजल्ट जारी, लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव टॉपर

1016 कैंडिडेट सिलेक्ट, टॉप 5 रैंक में आने वाले 3 कैंडिडेट्स पहले से ही आईपीएस अफसर

■ संजीवनी टुडे

संघ लोक सेवा आयोग ने मंगलवार को सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन- 2023 का रिजल्ट जारी कर दिया। 1016 कैंडिडेट्स इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस, इंडियन पुलिस सर्विस और इंडियन फॉरेन सर्विस के लिए चुने गए हैं। 180 आईएएस और 200 आईपीएस अफसर बनेंगे। लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव ने ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की है। वहीं, अनिमेष प्रधान दूसरी और अनन्या रेड्डी को तीसरी रैंक मिली है। कैंडिडेट्स ठध्ष्ट्ए की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट चेक कर सकते हैं। इस साल टॉप 5 रैंक में आने वाले 3 कैंडिडेट्स पहले से ही आईपीएस ऑफिसर हैं। रैंक 1 हासिल करने वाले आदित्य श्रीवास्तव, रैंक 4 पी के सिद्धार्थ रामकुमार और रैंक 5, रूहानी हैदराबाद में नेशनल पुलिस एकेडमी में आईपीएस ट्रेनिंग पूरी कर रहे हैं। पिछले 11 सालों में ऐसा पहली बार हुआ है कि सर्विस में रहते हुए किसी ईपीएस ने इस एग्जाम में ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की है। इससे पहले 2013 में ईपीएस ऑफिसर गौरव अग्रवाल ने सिविल सर्विसेज एग्जाम में ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की थी।

पिछली बार आईपीएस में सिलेक्शन, मां बोलीं- मेरा बेटा बचपन से एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी

आदित्य श्रीवास्तव का पिछले साल आईपीएस में सिलेक्शन हुआ था, वह अभी हैदराबाद में आईपीएस की ट्रेनिंग ले रहे हैं। उनका यह तीसरा अटेम्प्ट था। पहली बार में उनका प्री में सिलेक्शन नहीं हुआ था। आदित्य ने 2014 में लखनऊ के सीएमएस की अलीगंज ब्रांच से इंटर किया। इंटर में उनके 98.4% मार्क्स थे। आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल में बीटेक किया। वहां भी वह टॉपर रहे। आदित्य के पिता अजय श्रीवास्तव सीएजी में ऑडिट ऑफिसर हैं। मां आभा श्रीवास्तव ने बताया कि बेटा बचपन से एक्स्ट्रा आर्डिनरी था। दिल्ली की जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी से 31 कैंडिडेट्स सिलेक्ट हुए हैं। इनमें से 11 लड़कियों का सिलेक्शन हुआ है। इन सभी स्टूडेंट्स ने जेएमआई के रेजिडेंशियल कोचिंग एकेडमी से पढ़ाई की थी। जेएमआई की स्टूडेंट नौशीन ने ऑल इंडिया रैंक 9 हासिल की है।

खबरें फटाफट

लोकसभा क्षेत्र दौसा से भाजपा प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा ने किया नीमला मे जनसंपर्क

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़ । दौसा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा ने थानागाजी क्षेत्र के नीमला सहित आसपास गांव में जनसंपर्क किया । नेमी नीमला ने बताया की उनके साथ मे पधारें पूर्व कैबिनेट मंत्री हेमसिंह भंडाना, जिला परिषद सदस्य राजेंद्र तिवाड़ी, पंचायत समिति सदस्य प्रहलाद नारायण शर्मा,महिला मोर्चा महामंत्री रुबिया उपाध्याय, दयानन्द लाम्बा, जिनका ग्रामीणों द्वारा स्वागत सत्कार किया गया जिसमे स्थानीय लोग महादेव बढ़वाला,चन्दन बढ़वाला, रामदयाल बढ़वाला, विश्राम कोठीवाला, केशूलाल सिराला, देशरतन गुप्ता,लोकरत्न शर्मा, चिरंजी लाल मास्टर, भूत पूर्व सरपंच रामचंद्र ओजट, रामभरोषी बोहरा,विनोद बढ़वाला, मोहन मिस्त्री, झंडू सैनी,ओमप्रकाश ओजट, राकेश ओजट, ब्रजमोहन ओजट, हजारी लाल मीना, रामस्वरूप मीना(कांगा),कालूराम मीना ठेकेदार, जयराम गुर्जर,मानसिंह गुर्जर,मुकेश ओजट, राधे सैन सहित क्षेत्र के ग्रामीण उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता रैली का किया आयोजन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़। उपखण्ड क्षेत्र के राजकीय महाविद्यालय टहला में निर्वाचन आयोग के स्वीप कार्यक्रम के तहत नोडल प्राचार्य डॉ. के.एल. मीना की मौजूदगी में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने लोकसभा चुनाव में 19 अप्रेल को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने के लिए उच्च माध्यमिक विद्यालय से शुरू होकर बस स्टैंड, मैन बाजार, चिकित्सालय मार्ग, अस्पताल मार्ग पर आमजन को प्रेरित करते हुए रैली निकाली। इस अवसर पर मोहन लाल गुर्जर कार्यवाहक प्रधानाचार्य घेवर, अशोक कुमार चोला उप प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टहला, प्रो. प्रमोद कुमार बैरवा, प्रो. सुश्री रचना जैन, प्रो. शंकर लाल, प्रो. जगदीश प्रसाद, प्रो. रमेश चन्द, सुनील, धनपाल एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बीमार पीड़ित गौवंशो को उपचार हेतु चिकित्सालय पहुंचाया

■ संजीवनी टुडे

कल्याणपुर। कामधेनु सेना के बाड़मेर जिला उपाध्यक्ष कालुराम सुथार ने श्री सती माता गौ सेवा फाउंडेशन गौरथ एम्बुलेंस के कन्ट्रोल रूम नंबर 8058054800 सुचना दी सिथली में किसी अज्ञात वाहन ने गौमाता को टक्कर मार जी जिससे उसके पैर टुट गये है तुरंत गौरथ भेजे उपचार हेतु चिकित्सालय पहुंचाना है। गौरथ के पहुंचने पर गौमाता को उसमें बिठाकर उपचार हेतु लेकर रवाना हुए। अभी रास्ते में चल रहे थे कि कामधेनु सेना के झंवर तहसील महासचिव बालुराम सुथार ने फोन करके बताया कि जोधपुर बालोतरा हाईवे पर डोली ग्राम में टाटा 407 ने एक नंदी महाराज को टक्कर मार दी जिससे उसको अन्दरूनी चोटें ज्यादा लगी है समय रहते इलाज नहीं होने से मृत्यु भी हो सकती है गौरथ एम्बुलेंस ने उस नंदी महाराज को भी रास्ते से लेकर दोनों गौवंशो को चिकित्सा हेतु गौ गृहशाला बुझावड़ पहुंचाया, चिकित्सालय में चिकित्सा टीम ने भी समय पर गौवंशो को उपचार कर हो रही पीड़ा से राहत दिलाई। इस दौरान सुमेर सिंह राजपुरोहित,लादुराम,गौ सेवा समिति युवा मण्डल धवा एवं कई कामधेनु सैनिक? व गौभक्त मौजूद रहे।धनराशि देकर सहयोग भी किया। गौरक्षक अशोक राणेजा हिंगोला ने आम जनता से निवेदन हैं कि जोधपुर के हिंगोला ग्राम से 70 किलोमीटर क्षेत्र में कहीं भी बीमार पीड़ित एवं दुर्घटनाग्रस्त गौवंशो को देखने पर श्री सती माता गौ सेवा फाउंडेशन गौरथ एम्बुलेंस हेल्पलाइन नंबर 8058054800 पर सुचना देवें।

भाजपा सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को बदनाम करने का काम कर रही: डॉ विकास जैफ

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चौपड़ा के समर्थन में समाजसेवी डॉ विकास जैफ ने जमवारामगढ़ क्षेत्र के डांगरवाडा, बूज, मानोता, राहोरी, चावंडिया आदि सहित करीब एक दर्जन गांव व ढाणियों का तूफानी दौरा कर नुक्कड़ सभाएं आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने गांव-ढाणियों में चाय की थडियों, दुकानों एवं खेत में कार्य करते लोगों से लोकसभा चुनावों के सम्बन्ध में जनता के मूड की जानकारी ली। जनसंपर्क अभियान के दौरान डॉ विकास जैफ को ग्रामीणों ने बताया कि 10 साल के भाजपा के शासन से जनता त्रस्त है। गांवों में विकास कार्य बंद होने से लोगों को अन्यत्र कार्य के लिए जाना पड़ता है। गांवों व ढाणियों में मूलभूत सुविधाएं जैसे पानी, बिजली, सड़क आदि की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने डॉ जैफ को बताया कि भाजपा केवल धर्म के नाम पर लोगों को आपस में द्वेषता फैलाकर सत्ता हथियाने के लिए वर्षों से आपसी भाईचारे को खत्म करने का कार्य कर रही है। डॉ विकास जैफ ने ग्रामीणों के जनसंपर्क अभियान के दौरान चाय की थडियों एवं गांवों

की चौपाल पर बैठे लोगों से तल्लीनता से मुलाकात कर क्षेत्र में राजनीतिक माहौल के पक्ष में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि देश में कांग्रेस पार्टी ने 70 साल शासन कर गरीब एवं आमजन को मनरेगा, आरटीआई आदि कानून बनाकर राहत दी है। उन्होंने कहा कि आज देश का सौहार्द बिगड़ने के लिए लोग निचले स्तर तक चले जाते हैं। ऐसे राजनीति दलों एवं राजनेताओं से सावचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकारी एजेंसियों का खुलेआम दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को बदनाम करने का काम कर रही। उन्होंने कहा कि केंद्र में 10 साल से भाजपानीत सरकार सत्ता में होने पर इसबार 400 पार का नारा दिया जा रहा। जनता को भाजपा को वोट देने से पहले सोचना पड़ेगा कि इसने 10 साल में गरीबों, बेरोजगारों एवं आमजन के जीवन स्तर में सुधार के लिए कौन कौन सी योजनाएं लॉन्च की। भाजपा 10 साल से गरीबों का शोषण कर अमीरों को फायदा पहुंचाने का कार्य कर रही। उन्होंने लोगों से अपील की इस बार मौका है वोट की चोट मारकर भाजपा के खिलाफ वोट करते हुए कांग्रेस पार्टी को भारी बहुमत से विजयी बनाए। कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चौपड़ा के समर्थन में सोमवार शाम को कोटपूतली में आयोजित चुनावी जनसभा में जन सैलाब उमड़ पड़ा। लोगों की भीड़ को देखकर लोग अचंभित रह गए। इससे ऐसे लगता है कि विधानसभा चुनावों के बाद राजस्थान में बनी भाजपा की सरकार से लोग 4 महीनों में ही ऊब गए हो। समाज सेवी डॉ विकास जैफ ने जनसभा के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट से मंच पर मुलाकात करते हुए जमवारामगढ़ क्षेत्र को लेकर चुनावी माहौल की जानकारी ली। डॉ जैफ ने बताया कि जनता का मूड कांग्रेस पार्टी के प्रति प्रगाढ़ होता जा रहा है। जिससे इस बार निश्चित रूप से कांग्रेस के पक्ष में माहौल है। जनसभा को कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, हरियाणा कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा, जयपुर जिला देहात कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल मीना, पूर्व कैबिनेट मंत्री शंकुतला रावत, फुलेरा विधायक विद्याधर चौधरी, आमेर विधायक प्रशांत शर्मा, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, विराटनगर पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, झोटवाड़ा कांग्रेस नेता अभिषेक चौधरी आदि कांग्रेस नेताओं ने गर्मजोशी से जनता को सम्बोधित कर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में वोट देकर कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चौपड़ा को भारी बहुमत से जिताने की अपील की।

शहर के परकोटा क्षेत्र से भगवा ध्वज उतारने के मामले में संत समाज में रोष

■ संजीवनी टुडे

दोषियों के खिलाफ हो कार्रवाई

जयपुर। शहर के परकोटा क्षेत्र से भगवा ध्वज उतारने के मामले को लेकर सर्व समाज हिन्दु महासभा की बैठक संतों के सानिध्य में महासभा के कार्यालय में हुई। बैठक में उपस्थित संत समाज ने इस घटनाक्रम की निंदा करते हुए प्रषासन से इस कृत्य में लिप्त दोषी व्यक्ति व जिन अधिकारियों की सरपरस्ती में यह ध्वज उतारने का कार्य हुआ,उन सभी के खिलाफ कठोर कार्रवाई व दोषी अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया जाए। संस्थापक अध्यक्ष चन्द्रप्रकाष भाड़ेवाला ने बताया कि इस अवसर पर बैठक में श्रीकनक बिहारी मंदिर के सियाराम दास जी महाराज ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि रामनवमी से पूर्व इस तरह की घटना हिदू समाज के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है,क्योंकि भगवान राम तो सभी के भगवान थे,वे अपने समय में सभी को साथ लेकर चले। रामनवमी से पूर्व सर्व समाज हिन्दु महासभा की ओर से चारदीवारी में असामाजिक तत्वों व नगर निगम द्वारा भगवा ध्वज उतारना एक निंदनीय कार्य,जिसकी संत समाज घोर निंदा करता है,वहीं श्री ढेहर के बालाजी स्थित श्रीसियाराम दास जी बगीची के महंत हरिषंकर वेंदाती ने भी भगवा ध्वज उतारने की नंदा करते हुए प्रषासन से दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृति ना हो, इसलिए प्रषासन को भी इस मामलें में सख्त होकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई ताकि रामनवमी पर शहर में सौहार्द और भाईचारे का माहौल बन सके। अगर प्रषासन ने इस मामले में दोषियो के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो संत समाज को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष चन्द्रप्रकाष भाड़ेवाला ने बताया कि नवरात्रा व रामनवमी को देखते हुए सर्व समाज हिन्दु महासभा ने जयपुर में एक साथ मंदिरों,प्रतिष्ठानों,बाजारों व घरों में करीब 1 लाख के आसपास ध्वज लगाए।उन्होंने यह भी जिन-जिन स्थानों पर ध्वज उतारे गए थे,उन स्थानों पर तेजी से ध्वज लगवाएं जा रहे है। इस मौके पर बैठक में श्री मुरली मनोर मंदिर के महंत,, प्रताप भानु सिंह शेखावत, अधिवक्ता नितिन कासलीवाल, नवरतन शर्मा महंत मीरा मंदिर, विजय कौशिक, सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अप्रैल को आएंगे भीनमाल

■ संजीवनी टुडे

भीनमाल। पीएम मोदी 21 अप्रैल को भीनमाल दौरे पर आएंगे। यहां जालोर सिरोही लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी के समर्थन में सभा को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी के दौरे को लेकर संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह, रेंज डीआईजी ओमप्रकाश मेघवाल, पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव व जिला कलेक्टर पूजा पार्थ ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।जानकारी के अनुसार आगामी 21 अप्रैल को भीनमाल के रामसीन रोड पर 72 जिनालय के सामने भाजपा प्रत्याशी लुंबाराम चौधरी के समर्थन में विशाल जनसभा का आयोजन होगा।अधिकारियो ने कार्यक्रम स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया एवं कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी ली निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए इसके बाद उन्होंने पुलिस थाने में

रामनवमी एवं वीवीआईपी के दौरे को लेकर सीएलजी सदस्यों की बैठक ली गई जिसमें आगामी रामनवमी शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। बैठक के दौरान सीएलजी सदस्यों से आवश्यक सुझाव प्राप्त कर उनके शीघ्र समाधान करने के लिए कहा गया इस दौरान भीनमाल अतिरिक्त जिला कलेक्टर दौलतराम चौधरी एसपी ज्ञान चंद्र यादव एसडीएम पंकज शर्मा, डीवाईएसपी अन्न राजसिंह राजपुरोहित थानाधिकारी बाबूलाल जांगिड़, जसवंतपुरा थानाधिकारी प्रताप सिंह भाटी सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

सांचौर में वैभव के जनसंपर्क में उमड़ी भीड़

■ संजीवनी टुडे

सांचौर। जालोर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने मंगलवार को सांचौर जिला मुख्यालय स्थित लक्ष्मी नारायण मन्दिर में दर्शन कर जनसंपर्क की शुरुआत की। वैभव ने सांचौर विधानसभा क्षेत्र के हाडेतर, डांगरा, धानता, अरणाय, खारा, पमाणा, बिजरोल खेड़ा, देवड़ा, झाब, डीएस ढाणी, रणोदर स्टेशन, सिवाड़ा, परावा, मालियों का गोलिया करावड़ी, चौरा, हरियाली, डावल, सांचौर शहर सहित 50 गांव-शहर के लोगों से मुलाकात की और संवाद किया। इस दौरान ग्रामीणों ने फूलमालाओं से वैभव का स्वागत किया और उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया। ग्रामीणों ने वैभव के सामने पिछली कांग्रेस सरकार की योजनाओं की भी खूब तारीफ की। इस अवसर पर वैभव ने जालोर लोकसभा क्षेत्र के लोगों को रामनवमी की शुभकामनाएं भी दीं। इस दौरान उनके साथ पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई, संध्या चौधरी, मांगीलाल, हरेंद्र चौधरी, हिन्दू सिंह, हनुमाना राम, पूर्ण सिंह सहित ग्रामीण व कांग्रेसजन मौजूद थे। वैभव गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार ने 20 साल में जालोर, सांचौर, सिरोही क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया। भाजपा के सांसद ने न यहां की समस्याएं संसद में उठाई और ना ही इस क्षेत्र के लिए कोई परियोजना लेकर आए। उन्होंने कहा कि भाजपा का डबल इंजन

जालोर-सिरोही में ही नहीं पूरे देश में फ़ेल हो चुका है। भाजपा सिर्फ झूठ का कारोबार करती है। भाजपा के सांसद आम लोगों से मिलने अपने क्षेत्र में भी नहीं जाते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार जनकल्याण के कार्य करती है। चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा, अन्नपूर्णा फूड पैकेट जैसी योजनाएं आमजन के लिए बहुत फायदे की थीं, जिन्हें भाजपा ने बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही सांचौर को जिला बनाया। उन्होंने कहा कि जैसे अशोक गहलोत साहब ने जोधपुर का विकास किया वैसे ही में जालौर और सिरोही का विकास करूंगा

17 अप्रैल को रानीवाड़ा के गांवों में करेंगे जनसंपर्क

वैभव गहलोत बुधवार को रानीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के कुड़ा, सांतरू, करवाड़ा, दांतवाड़ा, करडा, तावीदर, सिलासन, मेड़ा, रानीवाड़ा खुर्दा सहित 40 से अधिक गांवों के लोगों से मुलाकात और संवाद करेंगे।

अर्जुन राम मेघवाल को रिकॉर्ड मतों से जिताने का लिया संकल्प

■ संजीवनी टुडे

बीकानेर। भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी अर्जुन राम मेघवाल के समर्थन में भाजपा नेता भूपेंद्र शर्मा की अगुवाई में नव मतदाता सम्मेलन भोमिया भवन, रानीबाजार में आयोजित हुआ। नव मतदाता सम्मेलन में पहुंचे 18 से 23 वर्ष की आयु के नव मतदाताओं ने मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल एवं आगामी मोदी की गारंटियों पर विश्वास जताते हुए भाजपा प्रत्याषी को वोट देने की अभिव्यक्ति की। नव मतदाता सम्मेलन में पहुंचे युवा नवमतदाताओं में बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक एवं रूस-यूक्रेन युद्ध में मोदी सरकार की कार्यषैली का खासा प्रभाव नजर आया। युवाओं ने मोदी सरकार से प्रभावित होने का कारण बताया अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी में भाजपा की बढ़ती साख, आर्थिक जगत में भाजपा का बढ़ता प्रभाव एवं संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थाई सदस्यता हेतु सदस्य राष्ट्रों के समर्थन की कूटनीतिक सफलता बताया। भाजपा प्रत्याषी अर्जुन राम मेघवाल ने युवाओं हेतु मोदी सरकार की कौषल विकास योजनाओं एवं एंटरप्रन्योर हेतु कॉलेट्रल-फ्री ऋण सुविधा की जानकारी देते हुए आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत में सहयोग का आह्वान किया।मेघवाल ने कहा 18 से 25 वर्ष की आयु ऐसी होती है जब किसी का भी जीवन बहुत से बदलावों का साक्षी बनता है दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में युवाओं को वोट भारत की दिशा तय करेगा मैं सभी युवा मतदाताओं को नमन करता हूं।आज जब देश 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य पर काम कर रहा है तो युवा मतदाता ही तय करेंगे भारत की दिशा क्या होगी हमने हमेशा देश के युवाओं पर सबसे अधिक विश्वास किया है। नव मतदाता सम्मेलन में भाजपा नेता भूपेंद्र शर्मा, तोला राम कुकणा, पंकज गहलोत, कुणाल कोचर, निषांत गौड़, महेंद्र ढाका, मुकेश रावत, गौरव चौधरी, मधुसूदन शर्मा, तनुज सारस्वत, निर्मल गहलोत, पंकज अग्रवाल, मनीष पंवार, दुष्यंत पुनिया, सुरेश रावत, प्रबल सैन, सांगी लाल गहलोत ने नव मतदाताओं का भाजपा का दुपट्टा पहनाकर स्वागत करते हुए राष्ट्र निर्माण एवं लोकतंत्र में मतदान रूपी पर्व शत-प्रतिषत मतदान कर भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याषी अर्जुन राम मेघवाल, बीकानेर पष्चिम विधायक जेठानंद व्यास, खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, भाजपा नेता गोपाल गहलोत, शशिकांत शर्मा ने नव मतदाताओं को लोकतंत्र में मतदान का महत्व एवं भाजपा के पक्ष में मतदान के लाभ से अवगत कराया। नव मतदाता सम्मेलन में बीकानेर के हनुमान सिंह चावड़ा, पंकज गहलोत, कुणाल कोचर, कर्नल हेम सिंह, दुर्गशंकर व्यास, निशांत गौड़, महेंद्र ढाका, मुकेश रावत, गौरव चौधरी, सुशील शर्मा, ताहिर खान, मधुसूदन शर्मा, मनोज विश्नोई, मांगीलाल विश्नोई, पंकज अग्रवाल, मनीष पंवार, भगवती गौड़, तनुज सारस्वत, दुष्यंत तंवर, मन्नत अरोड़ा, गिरिराज जोशी, निर्मल गहलोत, गिरधारी सिंह, करणी सिंह पडिहार, दुष्यंत पूनिया, सुरेश रावत, नवरतन सिंह, कमल सैन, सांगीलाल गहलोत, भैरो सिंह भाटी, जितेंद्र यादव, भंवर साध, विक्रम सिंह सिसोदिया, पृथ्वी सिंह भाटी सहित हजारों नवमतदाता शामिल रहे।

चाकसू में दोसा लोकसभा प्रत्याशी मुरारी लाल मीना के समर्थन में पायलट के रोड -शो में जनसैलाब उमड़ा , जगह -जगह भव्य स्वागत

■ संजीवनी टुडे

चाकसू। मंगलवार की शाम को दोसा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी मुरारी लाल मीना के समर्थन में निमोडिया मोड़ से लेकर कोटखावदा मोड़ तक नेशनल हाइवे पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने खुली जीप में करीब डेड किलोमीटर का रोड शो किया और रोड शो में सेकड़ो लोगो का जनसैलाब उमड़ पड़ा और वहीं जगह -जगह भव्य स्वागत किया युवाओं में विशेष उत्साह देखा डीजे की धुन पर जमकर डांस किया और पायलट आई लव्यू के नारे लगाए इस दौरान पुष्प वर्षा भी की पायलट ने लोगो का अभिवादन स्वीकार कर लोगो से हाथ के चिहन को दिखाया और कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील की गई और बाद में रोड शो कोटखावदा मोड़ पर पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया यहां रॉड शो एक बड़ी सभा मे बदल गया यंहा लोगो की भारी भीड़ देखी गयी हर जगह तिरंगा ही तिरंगा दिखाई दिया यंहा

पायलट में केंद्र व राज्य में भाजपा की सरकार को जानकर लपेटते हुआ कहा 10 साल में मोदी ने लाखों युवाओं को नोकरियों नही देकर बेरोजगार कर दिया किसानों पर काला कानून बना दिया काला धन लाने की बात कही थी उसमें भी यह विफल रहे नोटबन्दी में लाखों लोगों लम्बी लाइनों में लगा दिया यह सिर्फ जुमले की सरकार है राज्य में भी हमारी जनहित की योजनाओं को बंद कर दिया यदि इस बार इनकी सरकार बनी तो हो सकता है यह सविधान को बदलकर आरक्षण खत्म कर दे और हो सकता है यह देश का आखिरी चुनाव हो रहा है और पायलट ने कहा कि में विधानसभा चुनाव में भी पार्टी के प्रत्याशी की सभा मे आया था लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं की ज्यादा भीड़ ओर विशेष उत्साह है जिससे लग रहा कि यंहा से लोगो ने कांग्रेस प्रत्याशी मुरारी लाल मीना को जिताने का मन बना लिया है । वही पायलट के रोड शो व जन सभा मे प्रत्याशी की धर्म पत्नी सरिता मीना , पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी , प्रकाश बैरवा , ब्लॉक अध्यक्ष भरत लाल मीना , पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गंगाराम मीना , शहजाद नागोरी , नगरपालिका अध्यक्ष कमलेश बैरवा , पूर्व अध्यक्ष अब्दुल हमीद खोखर , लल्लू लाल कुमावत , राजेन्द्र गुर्जर , महिला कांग्रेस की अध्यक्ष कविता गुर्जर , पूर्व मंडी अध्यक्ष हरिनारायण चौधरी , नगरपालिका उपाध्यक्ष सीताराम गुर्जर , शिवप्रताप हरषाना , जिला परिषद सदस्य जयनारायण अमावता सहित नगरपालिका के पार्षद , सरपंच , पंच सहित सेकड़ो जनप्रतिनिधियों का हुजूम था ।

ज्योतिबा, सावित्रीबाई फूले की मूर्तियो का अनावरण समारोह: समाज को शिक्षित करने मे फूले दंपति महान भूमिका: गहलोत

कल होगा 51 जोडों का सामुहिक विवाह सम्मेलन

■ संजीवनी टुडे

चाकसू के रामपुरा गांव मे स्थित सैनी समाज बालिका छात्रावास परिसर के मुख्य द्वारा पर लगाई गई महात्मा फूले व सावित्रीबाई फूले की मूर्तियों का अनावरण मंगलवार को केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा किया गया, इस दौरान मंत्री अविनाश गहलोत ने मौजूद सैनी समाज के लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले व सावित्रीबाई फूले ने अपना जीवन समाज को शिक्षित करने में लगा दिया। फूले दंपति के लंबे सघर्ष से समाज में शिक्षा का उत्थान हुआ है। गहलोत ने वर्तमान समय में मोबाइल फोन से छोटे बच्चों पर पडने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कम उम्र के बच्चों को मोबाइल से दूर रखने की बात कही, वही बालक बालिकाओं को पारिवारिक संस्कार देकर एक अच्छा नागरिक बनाने की अपील की, इस अवसर पर विधायक रामावतार बैरवा ने भी फूले दंपति के जीवन के बारे में जानकारी देते हुए उनके बताए हुए सिध्दातों पर चलते कई अपील की।कार्यक्रम में मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक रामावतार बैरवा, दोसा जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, भावना सैनी सहित अतिथियों का आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया गया। इससे पूर्व 1100

कलशों की शोभा यात्रा बालाजी मंदिर से 1 किलोमीटर लंबी विवाह स्थल तक कलश यात्रा निकाली गई जिसको विद्ववानों द्धारा मंत्राचार के साथ झण्डा पूजन और कलश पूजन किया गया ।कलश यात्रा को विधायक रामावतार बैरवा ने रवाना किया। समारोह स्थल पर बुधवार को सैनी समाज के 51 जोडों का सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। जिसको लेकर काफी बडा पांडाल बनाया गया है। मंगलवार को रामपुरा गांव में स्थित बालाजी मंदिर से कार्यक्रम स्थल पर विशाल कलश यात्रा निकाली गई जिसमे सैकडों की संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर ऑल इंडिया सैनी समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताराचंद गहलोत, भवानी शंकर माली, भावना सैनी, दोसा सैनी समाज अध्यक्ष गिरिराज सैनी, सांगानेर जिला अध्यक्ष हनुमान सैनी लाडका, टोंक जिला अध्यक्ष,सहित चाकसू , कोटखावदा निवाई, दोसा, सागानेर, टोक, सवाईमाधोपुर सहित आसपास के क्षेत्र से बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

मोदरान के आशापुरी माताजी तीर्थ पर दुर्गाष्टमी पर महायज्ञ व महाआरती का आयोजन हुआ

मोदरान नगर में वैदिक मंत्रों की गुंज सुनाई दे रही है मंगलवार को महायज्ञ के आयोजन से आस-पास का वातावरण शुद्ध हुआ

■ संजीवनी टुडे

जालोर। मोदरान कस्बे में स्थित श्री आशापुरी महोधरी माताजी मंदिर में मंगलवार को चैत्रीय नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में दुर्गाष्टमी के पावन पर्व पर हवन व महाआरती का आयोजन सुबह 10:30 बजे से आरम्भ कर शाम 5 बजे तक आयोजित किया गया उसके बाद पूर्णाहुति व महाआरती का आयोजन के साथ नवरात्रि महोत्सव का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर में सुबह से ही पूजा व दर्शन के लिए आस-पास के गावों व शहरों से पुरे दिन हजारों की संख्या दर्शनार्थियों का आना जाना लगा लगा रहेगा। वही नवरात्रि महोत्सव को लेकर पुरे सात दिन दुर्गा सप्तशती पाठ का आयोजन पंडित आचार्य भीमाशंकर दवे, निखिल दवे, अरुण दवे, जयन्तिलाल दवे , ललीत त्रिवेदी, शुभम दवे , तरुण त्रिवेदी व स्थानीय पंडितों व यजमानों विक्रम सिंह राजपुरोहित, शक्ति सिंह राठौड़, मदन सिंह रसोणी, पुर्ण सिंह सोढ़ा व जगमाल सिंह राजपुरोहित द्वारा पुरे दिन सुबह से लेकर शाम तक वैदिक मंत्रों का गुणगान के साथ यज्ञ में आहुतियां दी गई। ईस अवसर पर आशापुरी महोधरी माताजी मंदिर के पुजारी प्रकाश पुरी गोस्वामी, राहुल पुरी गोस्वामी , ट्रस्ट के अध्यक्ष मोड सिंह सोडा , कोषाध्यक्ष छैलसिंह राठौड़ व्यवस्थापक जोगसिंह राव , भोजनशाला संचालक किशोर भाई मोदी , रतनसिंह सोढ़ा राजपुरोहित, भवानी सिंह राजपुरोहित, तगाराम प्रजापत,उदय सिंह दिलीप राईगौणी व भावेश कुमार लुकड सहित सैकड़ों ग्रामीण व दर्शनार्थियों का सुबह से शाम तक तांता लगा रहा इसी प्रकार भोगरा गौत्र के देवासी समाज का तीसरा वार्षिक सम्मेलन का आयोजन के साथ विशेष महा यज्ञ व भोजन प्रसादी के साथ रात्रि में भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें भजन गॉयक मालाजी भोंगरा एंड पार्टी अंबाजी, धनजी केंर एंड पार्टी सिरोही व डांसर मनोज रिया पार्टी, काजल देवासी सहित समस्त भोंगरा रबारी परिवार राजस्थान ल गुजरात के सैकड़ों कार्यकर्ता व भक्तजनों ने भाग लिया।

खबरें फटाफट

कल्याणपुर थाना क्षैत्र के टपाणा नालफला में युवक ने कि आत्महत्या

संजीवनी टुडे

कल्याणपुर।थानाधिकारी उम्मेदीलाल ने बताया कि प्राथीर् गजेन्द्र पुत्र शंकरलाल मीणा ने रिपोर्ट दी ।रिपोर्ट में बताया कि छोटा भाई ललित उम्र 22 वषर् घर पर अकेला था ।वह सरसीया गया हुआ था कि सोमवार सांय 4 बजे घर लौटा तो घर के अन्दर छत के कडे में रस्सी का फंदा लगाकर उसके छोटे भाई ने आत्महत्या कर ली ।घटना कि जानकारी मिलते ही थानाधिकारी मय टीम घटनास्थल पर पहुचे मौका मुहावना किया शव को ऋषभदेव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गये शव का पीएम कराकर शव परिजनो को सुपुर्द्ध किया ।आत्महत्या के कारणो का पता नही चल पाया है ।मामले को लेकर पुलिस अनुसंधान कर रही है ।

अधिवक्ताओं ने किया न्यायिक मजिस्ट्रेट का स्वागत

संजीवनी टुडे

सलुम्बर ।सलूम्बर जिला न्यायालय परिसर में नवीन पद स्थापित न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद पंवार का स्वागत समारोह बार एसोसिएशन अध्यक्ष राकेश प्रजापत के नेतृत्व में रखा गया। इस अवसर पर अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश प्रवीण वर्मा, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट किरण कुमार ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। न्यायिक मजिस्ट्रेट पंवार साहब ने कहा कि प्रथम पदस्थापन सलुम्बर में हुआ है बहुत ही गौरव का विषय है। निश्चित रूप से बार एवं बैंच में सामंजस्य स्थापित करेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता कमल बाहेती, गेबी लाल दमावत, सोहन लाल चौधरी, अब्दुल रउफ ने भी विचार व्यक्त किए। इस दोरान बार उपाध्यक्ष जितेंद्र जोशी, सचिव ललित चौधरी, कोषाध्यक्ष वालु राम पटेल सहित पूर्व बार अध्यक्ष राकेश पुर्बिया, राजकुमार जैन,गणेश मेहता, सी पी मेहता , रणजीतपुर्बिया,विजेश भलवाडा,भगवतीलाल सुथार , ग्रिजेश ताजावत,भागवती मीणा, डूँगरलाल मीणा, निलेश जैन , गौतम मीणा, सुरेश पूरी , ललित जोशी , माजिद बेग , हितेश पंचाल , प्रकाश चौबीसा , राहुल आगाल अधिवक्तागण उपस्थित रहें।

उदयपुर संयुक्त निदेशक ने किया औचक निरीक्षण,वल्लभनगर एवं मावली सीबीईओ कार्यालयों का किया निरीक्षण

संजीवनी टुडे

फतहनगर। मंगलवार को संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा उदयपुर महेंद्र कुमार जैन ने मावली एवं वल्लभनगर शिक्षा विभाग के कार्यालयों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होने कार्यालय व्यवस्था, साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण एवं समस्त प्रकार की गतिविधियों का जायजा लिया। उपस्थित कार्मिकों से हुए रूबरू हुए। कार्मिकों से उन्हें आवंटित कार्यों की जानकारी ली। सीबीईओ वल्लभनगर में निरीक्षण के समय उपस्थित अनिल पोरवाल सीबीईओ वल्लभनगर, गोपाल मेनारिया एसीबीईओ,आरपी ओंकारलाल गोपावत, नर्बदा शंकर सहित कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। सीबीईओ मावली में निरीक्षण के समय अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी सतीश कुमार झा, चुन्नी लाल अहीर, कम्प्यूटर ऑपरेटर महेंद्र सिंह, शंकर गाडरी, सहायक कर्मचारी रमेश चंद्र बड़गुर्जर, सरसी बाई सहित कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

मतदान कार्मिकों ने किया उत्साहपूर्वक मतदान,लिया द्वितीय प्रशिक्षण में प्रायोगिक ज्ञान

संजीवनी टुडे

फतहनगर। मतदान दलों में नियुक्त कार्मिकों ने मंगलवार को प्रशिक्षण स्थल श्रमजीवी महाविद्यालय,उदयपुर में बैलेट के जरिए उत्साहपूर्वक मतदान किया। मावली विधानसभा क्षेत्र में निवासरत कार्मिकों के काउंटर पर कार्मिकों ने कतारबद्ध बारी-बारी से बेलेट के जरिए मतदान किया। इन कार्मिकों ने प्रथम सत्र में सैद्धान्तिक प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा मध्यान्ह में मतदान का काम निपटाया। इसके बाद द्वितीय सत्र प्रायोगिक रहा जिसमें कार्मिकों ने मशीनों का उपयोग एवं सीलिंग की प्रक्रिया समझी। इसके बाद सभी कार्मिकों ने ऑन लाइन टेस्ट दिया। आज प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके कार्मिकों को 25 तारीख को अंतिम प्रशिक्षण एवं मतदान दल में नियुक्ति के पत्र प्रदान किए गए।

ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मचारियों से धक्का मुक्की करके पैंथर छीना,सिर में वारकर उतार दिया मौत के घाट

संजीवनी टुडे

उदयपुर। उदयपुर जिले की गिर्वा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत पडूना वन नाका क्षेत्र के अमरपुरा गांव में जंगल में मिले पैंथर के मामले में अब नया मोड़ आ गया है।जहां

ग्रामीणों द्वारा पैंथर को पिट पिट करके मार डालने का मामला सामने आया है।क्षेत्रीय वन अधिकारी सचिन शर्मा ने बताया कि सोमवार दिन में जंगल में बकरी चराने गए ग्रामीण पर पैंथर ने हमला कर दिया। इससे ग्रामीण के पैर में चोट आई। ग्रामीणों ने पहले घायल को टीडी हॉस्पिटल ले जाकर इलाज कराया। इसके बाद पैंथर पर पत्थरों से हमला कर घायल कर दिया।? वे यहीं नहीं रुके, जब वन विभाग की टीम ट्रॅक्युलाइज कर पैंथर को ले जाने लगी तो ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम से छीनकर लट्ठ से हमला करके मौत के घाट उतार दिया। मामले का खुलासा पोस्टमार्टम हुआ तब हुआ जहां मादा पैंथर सिर लट्ठ से

फट गया हुआ मिला। दरअसल ग्रामीण देवीलाल मीणा बकरी चराने अमरपुरा गांव के जंगल में गया था।तकरीबन 10 बजे के आसपास पैंथर ने उन पर हमला कर दिया। चिल्लाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो देवीलाल को घायल अवस्था में देखा। उनके बाएं पैर की एड़ी पर पैंथर के काटने के जख्म थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मामले को लेकर भारी संख्या में ग्रामीण वापस जंगल पहुंचे। शर्मा ने बताया कि पैंथर के हमले के बाद वन विभाग के पडूना नाके के वनपाल रंग लाल ,जावर माइंस नाके के भगवती लाल व अन्य कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुचीं और उसे वनकर्मियों द्वारा ट्रेंकुलाइज करके पैंथर को लाया जा रहा था कि ग्रामीणों ने वन विभाग कर कर्मचारियों पर हमला करके पैंथर छीन लिया। पैंथर की लट्ठ से हमला किया जिसकी वजह से उसका सिर फट गया और मुंह से खून निकलने से उसकी मौत हो गई।

रात को लाया गया पैंथर परसाद रेंज ऑफिस

मामले को लेकर मृत पैंथर को रात को परसाद वन रेंज कार्यालय लाया गया था। जहां वस्तुस्थिति साफ नही हुई थी आखिरकार पैंथर की मौत का क्या कारण रहा ।जब पोस्टमार्टम हुआ तो मामले का खुलासा हुआ जहां सिर में गम्भीर चोट लगने से पैंथर की मौत हुई। बाद में मंगलवार सुबह वन विभाग की टीम अन्य विभागों के कर्मचारियों मृत मादा पैंथर का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार कर दिया।

इनका कहना

मामले को लेकर वन विभाग की तरफ से प्राथमिकी दर्ज करवा दी है। फिलहाल अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके अनुसंधान शुरू कर दिया है।फिलहाल वीडियो कर फुटेज मिले है उसको इन्वेस्टिगेशन में सम्मिलित किया है। आगे कड़ी से कड़ी जोड़कर खुलासा किया जाएगा।

सचिन शर्मा
क्षेत्रीय वन अधिकारी परसाद

सिक्योर मीटर कलड़वास में अग्नि सुरक्षा व बचाव के बारे में दी जानकारी

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राष्ट्रीय अग्निशमन सप्ताह के तीसरे दिन कलड़वास औद्योगिक क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी के नेतृत्व में सहायक अग्निशमन अधिकारी नवदीप सिंह बग्गा व फायरफ़ाइटर्स दिनेश मेघवाल, संजय मीना, संजय माली, आकाश रोड़ीदास, कैलाश, वीजेंद्र, राकेश मीना, कैलाश यादव व टीम द्वारा सिक्योर मीटर कलड़वास में अग्नि सुरक्षा व बचाव के बारे में जानकारी दी और तकनीकी पहलुओं के बारे में बताया। इस दौरान समस्त अधिकारीगण, मैनेजर्स, कार्मिक व टेक्निशियन, औद्योगिक इकाइयों, आईटी फ़ैक्टरीज़ व औद्योगिक कारख़ानों को मद्देजनर रखते हुए क्लासिफिकेशन ऑफ़ फायर, एक्सपेंशन ऑफ़ फायर, फायर केमिकल चैन व फायर एक्सरिंगशमेंट, किचन फायर, एलपीजी लिक्विफ़ाइड पेट्रोलियम गैस सिलिंडर में अग्नि दुर्घटनाओ से बचाव के विभिन्न तरीके एवं आए दिन शोर्ट सर्किट के होने वाली दुर्घटनाएं, बचाव राहत कार्य जैसे रोड एक्सीडेंट के दौरान फर्स्ट ऐड मेथड्स, बिल्डिंग कोलैप्स के बचाव कार्य, बसो में एक्सीडेंट प्शचात एग्जिट गेट द्वारा निकासी आदि पर विस्तार से व्याख्यान दिये गये एवं तत्पश्चात क्लास ए फायर, क्लास बी फायर डेमन्स्ट्रेशन के तौर पर अग्निशमन टीम द्वारा बनाये डेमन्स्ट्रेशन ड्रम्स में आग उत्पन्न कर फायरफाइटिंग का अभ्यास करवाया गया।

साहित्य उत्सव 2024 में विद्वानों ने रखे विचार, कवियों ने किया रचना पाठ

संजीवनी टुडे

राजस्थान साहित्य अकादमी व अखिल भारतीय साहित्य परिषद का साझा आयोजन

उदयपुर। भारतीय नव संवत्सर के उपलक्ष में राजस्थान साहित्य अकादमी एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद उदयपुर महानगर इकाई के संयुक्त तत्वावधान में साहित्य उत्सव 2024 के तहत विचार एवं कवि गोष्ठी आयोजित की गई।

परिषद अध्यक्ष किरण बाला जीनगर ने बताया कि अकादमी लाइब्रेरी सभागार में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष विष्णु शर्मा हरिहर और विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् वीरेन्द्र पंचोली थे। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार पंडित नरोत्तम व्यास ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विष्णु शर्मा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय नव संवत्सर अपनी सटीक कालगणना के लिए जाना जाता है। मौसम के परिवर्तन के साथ ही नए साल का आगमन हमारी संस्कृति एवं प्रकृति के पारस्परिक अंतर्संबंध को दर्शाता है। हमारे प्राचीन भारतीय साहित्य में इसी अन्तर्संबंध को लेकर विस्तार से व्याख्याएँ मिलती हैं। विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद वीरेंन्द्र पंचोली ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय मान्यता के अनुसार नव संवत्सर के दिन से ब्रह्मा ने सृष्टि का सृजन प्रारम्भ किया था। कार्यक्रम अध्यक्ष पंडित नरोत्तम व्यास ने अपनी प्रसिद्ध रचना ल्ढलानों पे सीधे खड़े मेरे पेड़ों नमस्कार है...ङ्क सुनाई और कहा कि भारतीय कालगणना सूर्य व चंद्रमा की गति की तरह शास्वत एवं चिरंतरन है। परिषद की महानगर इकाई अध्यक्ष किरण बाला जीनगर ने अखिल भारतीय साहित्य परिषद के क्रियाकलापों की जानकारी देते हुए नव संवत्सर की प्राचीनता एवं उसके साथ हमारी संस्कृति के जुड़ाव के बारे में विचार रखे। कार्यक्रम में अकादमी से राजेश मेहता व प्रकाश नेभनानी उपस्थित रहे। स्वागत गौरीकांत शर्मा ने किया, धन्यवाद अकादमी के रामदयाल मेहरा ने दिया व संचालन सिम्मी सिंह ने किया।

कवियों ने जमाया रंग

कार्यक्रम में शहर के कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से रंग जमाया। दीपा पंत, अनिता अन्ना, सुनीता निमिष सिंह, प्रियंका भट्ट, कुंजन आचार्य, रेणु सिरोया कुमुदनी, कपिल पालीवाल, शिवदान सिंह सहित अन्य कवियों ने विविध विषयों पर कविता पाठ किया।

दिन दहाडे रेस्टोरेन्ट के मालिक की रेकी कर लुटपाट करने वाले शातिर बदमाश गिरफतार

संजीवनी टुडे

ऋषभदेव।उदयपुर जिले की ऋषभदेव पुलिस ने दिन दहाड़े रेस्टोरेंट मालिक की रैकी करके लूट करने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी घनश्याम सिंह ने बताया कि गत 14 मार्च को टीडी निवासी लक्ष्मण पिता रामाजी मीणा ने रिपोर्ट दर्ज दी कि वह बाइक पर सवार होकर टीडी से कागदर सादू के यहां आया था। रात में वापस घर जाने के दौरान तकरीबन साढ़े गयारह बजे कागदर से खाण्डी ओबरी मोटरसाईकिल लेकर जाते वक्त कागदर स्कूल कर पास एक बाईक पर तीन युवक नकाबपोश बदमाशों ने बाइक आड़ी लगाकर पीड़ित को नीचे गिरा दिया था।इसी दौरान तीनों युवकों ने ताबड़तोड़ हमला करके घायल कर दिया व सोने की चेन,जेब से

19 हजार व मोबाइल लेकर भाग निकले। मामले में अनुसंधान करते हुए थाना अधिकारी व उनकी टीम ने मुखबिर के जरिये सूचना मिलने पर मंगलवार को ढेलाणा फला कानाघाटी निवासी विनोद पिता बाबुलाल मीणा, बरना निवासी अजय पिता सुरेश कुमार मीणा व मुण्डवाडा निवासी प्रभुलाल पिता लालु मीणा को डिटेन कर पुछताछ की गयी तो अपने साथीयो संजय मीणा व सरस मीणा के साथ मिलकर वारदात करना स्वीकार किया ।जिस पर विनोद मीणा, अजय मीणा व प्रभुलाल मीणा को प्रकरण मे गिरफ्तार किया। अभियुक्तो ने पुछताछ में कागदर डेम के नीचे दो माह पुर्व समुह के अभिकर्ता के साथ भी वारदात करना स्वीकार किया।

शहर से आकर करते थे अभियुक्त वारदात

शातिर बदमाश उदयपुर शहर में घण्टाघर व रेती स्टेण्ड में किराये के कमरे लेकर रहते है तथा मौका पाकर उदयपुर से बाईक पर कागदर, खैरवाडा आकर सुनसान जगह व रेकी कर लुटपाट कर वारदात को अन्जाम देकर पुनः उदयपुर चले जाते है। उक्त वारदात मे भी दिन दहाडे मगन रेस्टोरेन्ट टीडी के मालिक लक्ष्मण मीणा की रेकी कर वारदात की गयी।

मतदाताओं को वितरित की गई मतदाता पर्चियां एवं मार्गदर्शिका, मतदाता जागरुकता की दिलाई शपथ

संजीवनी टुडे

सलूंबर । लोकसभा चुनाव 2024 के तहत आमजन को मतदान हेतु जागरूक करने एवं शत-प्रतिशत मतदान के उद्देश्य से सलूंबर जिले में स्वीप गतिविधियां तेज कर दी है। बीएलओ द्वारा मतदाताओं को मतदाता मार्गदर्शिका एवं मतदाता पर्ची वितरित की जा रही है। इस दौरान आगामी 26 अप्रेल को अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की गई। आमजन को चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत करने हेतु सी-विजिल एप्प की सम्पूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही वोटर हैल्पलाइन एप्प, सक्षम एप्प, केवाईसी एप्प की भी जानकारी दी। इस दौरान आमजन को मतदाता शपथ भी दिलाई गई और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। लोकसभा चुनाव 2024 के तहत सलूंबर जिले में मंगलवार को 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं एवं 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता वाले विशेष योग्यजन मतदाताओं ने होम वोटिंग के माध्यम से मतदान किया। इस दौरान मतदाताओं ने अपने-अपने अनुभव साझा किए और होम वोटिंग की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग को धन्यवाद दिया।

हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड टीम मावली ने किया रक्तदान

संजीवनी टुडे

फतहनगर । श्री महावीर नवयुवक मंडल मावली के तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड टीम मावली ने पंचायत समिति मावली मुख्यालय पर आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर स्काउट मास्टर ट्रेनर उदय सिंह गुर्जर ने रक्तदान शिविर के विषय में बताते हुए इसे मानव सेवा का महत्वपूर्ण कार्य बताया। रक्तदान से किसी भी प्राणी की जान को बचाया जा सकता है तथा रक्तदान महादान है । हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के जिला मुख्यालय जनसंपर्क आयुक्त गोपाल मेहता मेनारिया ने बताया कि इस अवसर पर हिंदुस्तान स्काउट गाइड टीम की तरफ से उदयसिंह गुर्जर स्काउट मास्टर ट्रेनर,शिवराम गुर्जर, संजय कुमार बोला, सचिन गुर्जर एडवोकेट, सुरेंद्र गुर्जर व्याख्याता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तारावट लवगुर्जर ,विनोदपुरी,राजवीर, श्रीमती सरिता धायल शारीरिक शिक्षका राजकीय उच्च माध्यमिक गोविंदपुरा सहित कई स्काउट एंड गाइड में भाग लिया। महावीर नवयुवक मंडल मावली द्वारा हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड टीम का आभार व्यक्त किया।

हनुमान जन्मोत्सव की तैयारी बैठक संपन्न

संजीवनी टुडे

भीलवाड़ा। शहर के संजय कॉलोनी क्षेत्र में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम 23 अप्रैल 2024, मंगलवार को आयोजित किया जा रहा है। हर वर्ष इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा एवं अखाड़ा प्रदर्शन होता है इस वर्ष भी इस कार्यक्रम में शोभा यात्रा के साथ कलश यात्रा एवं अखाड़ा प्रदर्शन की योजना है। हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्रा की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन संजय कॉलोनी में गोस्वामी समाज की धर्मशाला में किया गया। बैठक में पिछले वर्षों के कार्यक्रम को देखते हुए इस वर्ष कार्यक्रम को और अधिक

भव्य बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में शोभायात्रा, अखाड़ा प्रदर्शन आदि को लेकर विस्तार से चर्चा की गई ,जिसमें घोड़े, बैंड, साउंड, अखाड़ा प्रदर्शन, कलश यात्रा, प्रचार प्रसार, निधि संकलन आदि के लिए विभिन्न कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में गणपत शर्मा, गणेश प्रजापत, सत्यम शर्मा, पंकज सालवी,शम्भू वैष्णव,राधे कानावत, धीरज अग्रवाल,अखिलेश व्यास,मोनू माली, एमपी सिंह,भवानी शंकर वैष्णव,ललित व्यास, जुगल किशोर,विकास पाठक, निर्मल सोनी, संजय वैष्णव, सागर पाण्डे, हितेश शर्मा, मनीष शर्मा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक शंभू वैष्णव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से क्षेत्र वासियों के संबंधों में स्नेह एवं मधुरता का संचार होता है एवं सामाजिक समरसता का भाव प्रगाढ़ होता है।

फ्लैश मॉब और बाइक रैली में दिखेगा युवा जोश, पीले चावल देकर मतदाताओं की करेंगे मनुहार

22 से 24 अप्रैल तक लोकतंत्र के पर्व का जश्न

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले में लोकसभा आम चुनाव-2024 को लेकर आमजन में अपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। फर्स्ट टाइम वोटर्स से लेकर शतायु पार मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह लोकतंत्र के उत्सव में बदल गया है। 22 से 24 अप्रेल तक तीन दिन तक जिले में लोकतंत्र के पर्व का यह उत्साह चरम पर होगा। इस दौरान युवा मतदाताओं के लिए फ्लैश मॉब, बाइक रैली जैसे आयोजन होंगे। वहीं, सांस्कृतिक परंपराओं के मुताबिक घर-घर जाकर पीले चावल बांटकर मतदाताओं की मनुहार की जाएगी। बांसवाड़ा संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज कुमार पवन ने मंगलवार को वीसी के माध्यम से बैठक लेकर तीन दिवसीय मतदाता जागरुकता अभियान की रूपरेखा पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

वीसी में जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुलराज मीणा, जिला परिषद सीईओ मुकेश चौधरी, एडिशनल सीएमएचओ डॉ. विपिन मीण सहायक निदेशक महिला अधिकारिता मोतीलाल मीणा, जिला युवा अधिकारी प्रदीप कुमार, उपनिदेशक अशोक शर्मा, सीओ स्काउट सुनील कुमार सोनी सहित अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकतंत्र का महापर्व है मतदान, सबकी हो भागीदारी

संभागीय आयुक्त डॉ. पवन ने 22 से 24 अप्रेल तक आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए विभागवार जिम्मेदारी तय की। उन्होंने कहा कि जिस तरह हम त्योहार मनाते हैं, उसी तरह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का भी उल्लास नजर आना चाहिए और इसमें सबकी भागीदारी होनी चाहिए। ग्राम पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक 22 से 24 अप्रेल तक मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों में विगत लोकसभा चुनाव में कम मतदान प्रतिशत रहा, वहां विशेष कार्ययोजना बनाकर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जाए। 22 अप्रैल को सुबह 11:15 बजे ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, उपखंड

और जिला स्तर पर मानव श्रृंखला, मतदान शपथ आयोजन किया जाएगा। 23 अप्रैल को सुबह 11:15 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक हम नाचेंगे, गाएंगे मतदान करने जाएंगे गीत की थीम पर शहर के प्रमुख स्थलों जैसे रोडवेज बस स्टैंड, चौराहों आदि पर फ्लैश मॉब का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्थानीय संस्कृति के अनुसार वागड़ी लोकगीत पर स्वतः स्फूर्त भाव से हर आयु वर्ग के लोग नाचकर-गाकर लोकतंत्र के पर्व का जश्न मनाएंगे। 24 अप्रैल को सुबह 11:15 बजे से 12 बजे तक घर-घर पीले चावल देकर मतदान के लिए निमंत्रण और मनुहार, दोपहर 12:30 से शाम 6 बजे के दौरान प्रमुख स्थलों पर मतदाता शपथ और बाइक रैली का आयोजन किया जाएगा। बाइक रैली में प्रतिभागियों को हेलमेट और ड्राइविंग लाइसेंस होने पर ही शामिल करने के निर्देश दिए। डूंगरपुर जिले में जनजाति बाहुल्यता को देखते हुए स्वीप गतिविधियों को स्थानीय बोली और संस्कृति पर केंद्रित रखने के निर्देश दिए। ङ्कनाचेंगे, गाएंगे, मतदान करने जाएंगेङ्क थीम पर स्थानीय बोली में गीत तैयार करवाकर जिले की सभी मनरेगा साइटों पर मनरेगा मेट, श्रमिकों को 26 अप्रैल को मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा।

एक भी मतदाता छूटे न, हर घर पहुंचे मतदाता मार्गदर्शिका

संभागीय आयुक्त डॉ. पवन ने कहा कि 20 अप्रेल तक जिले में हर मतदाता तक मतदाता पर्ची पहुंचनी चाहिए और संबंधित एआरओ को यह सुनिश्चित करना है कि उसके क्षेत्र में प्रत्येक मतदाता तक मतदाता पर्ची और प्रत्येक परिवार में मतदाता मार्गदर्शिका पहुंच जाए। यदि निरीक्षण के दौरान किसी मतदाता ने बताया कि उसे मतदाता पर्ची नहीं मिली, तो बीएलओ पर तो कार्रवाई होगी ही संबंधित एआरओ को चार्जशीट जारी की जाएगी। यह काम एक मिशन के रूप में करना है। बीएलओ भारतीय निर्वाचन आयोग के सी-विजिल, सक्षम और वीएचए एप की जानकारी दें और इनमें से कम से कम एक एप मतदाता के मोबाइल में डाउनलोड करवाएं।

लोकतंत्र की मजबूती के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश

संभागीय आयुक्त ने कहा कि मतदान दिवस के दिन हैपी ऑवर्स की तर्ज पर सुबह 7 से 9 बजे तक मतदान करने वाले मतदाताओं को सम्मानित करें और पौधरोपण करवाएं। गर्मी को देखते हुए मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए प्रतीक्षा कक्ष बनाए जाएं और ओआरएस, नींबू पानी, पेयजल, छाया और पंखे-कूलर की व्यवस्था की जाए।

हैपी ऑवर्स में मतदान पर होगा सम्मान

मतदान दिवस 26 अप्रेल, 2024 को सुबह 7 से 9 बजे तक ऐसे मतदान केंद्र जहां विगत लोकसभा चुनाव में कम मतदान हुआ, वहां प्रथम 25 नव मतदाताओं एवं अन्य सभी मतदान केंद्रों पर 20 नव मतदाताओं को मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं, मतदान केंद्रों पर सेल्फी प्वॉइंट स्थापित कर बारकोड और लिंक प्रदर्शित किए जाए, जिसको स्कैन कर सेल्फी अपलोड करने पर मतदाता को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की ओर से डिजिटल सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

वो कौन-से कारण रहे जिन्होंने मध्य प्रदेश में कोरोना का इतना प्रसार कर दिया !

मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण को लेकर स्थिति दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। प्रदेश की व्यवसायिक राजधानी इंदौर देश में मुम्बई के बाद दूसरा शहर है, जहां सबसे अधिक कोरोना संक्रमित मरीज चिहिंत किए गए हैं। राज्य में पिछले 24 दिनों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अबतक स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के आधार पर मध्यप्रदेश में 938 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। जबकि अभी तक 53 लोगों की कोरोना संक्रमण की वजह से मौत हो चुकी है। वही प्रदेश के 52 में से 26 जिले कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। जहां प्रदेश की राजधानी भोपाल में 167 कोरोना पॉजिटिव मरीजों की पहचान हुई है तो वही इंदौर में यह आंकड़ा 544 तक पहुंच गया है। इंदौर में सबसे अधिक कोरोना संक्रमित व्यक्तियों के मामले सामने आने की वजहों की बात की जाए तो सबसे बड़ा कारण यहां से आने-जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें हैं। यहां कई लोग हर रोज कई देशों से यात्रा कर वापस आते है और यहं से जाते भी हैं। औद्योगिक नगरी होने के कारण यहां कई सम्मेलन, संगोष्ठियों के अलावा व्यापारिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। जिसमें देश-विदेश से लोग एकत्र होते हैं। इंदौर शहर में इन्हीं सब गतिविधियों के चलते हलचल अधिक रहती है। कोरोना संक्रमण के आहट भारत में होली के आसपास शुरू हुई तब तक यही माना जा रहा था कि यह वायरस चीन तक ही सीमित है। इस दौरान इंदौर में रंगपंचमी पर राजबाड़ा में लोग गेर (होली का पारंपरिक फाग जलूस) में हजारों की संख्या में लोग एकत्र होते है। हालांकि प्रशासन ने कोरोना संक्रमण के चलते गेर के इस कार्यक्रम को रद्द कर दिया था, इसके बावजूद भी हर वर्ष की भांति इस साल भी 14 मार्च 2020 को पड़ी रंगपंचमी पर इंदौर के राजबाड़ा में अच्छी खासी संख्या में लोग इकट्ठे हुए। जिसमें कई विदेशी पर्यटक भी शामिल थे। इस बार तो इंदौर कलेक्टर ने गेर को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए यूनेस्को को नामांकन के लिए भेजने की रूप रेखा तैयार की थी। गेर को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में यूनेस्कों की मान्यता दिलाने के लिए यूनेस्कों की भारत में नोडल एजेन्सी नई दिल्ली स्थित संगीत नाटक अकादमी को नामांकन भिजवाया जाने वाला था ताकि इंदौर के पूर्व होलकर शासकों की इस सांस्कृतिक परंपरा को एक अलग पहचान मिल सके।

इंदौर के लोगों ने इस साल 09 मार्च 2020 को पड़ी होली और रंगपंचमी के त्यौहार को पूरी हर्षो-उल्लास से मनाया जिसमें कई विदेशी सैलानी भी शामिल हुए। भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय भी ऐसे समारोहों में अक्सर देखे जाते है वह भी होली पर बजरबट्टू कार्यक्रम में लोगों के बीच पहुंचे लेकिन जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम रद्द करने के चलते उन्होनें भी बस लोगों से मेल मिलाप ही किया। वहीं इंदौर के रहने वाले कई लोग दूसरे देशों में काम करते है, वहां से लौटने के बाद वह भी त्यौहार के इन कार्यक्रमों में शामिल हुए। चूंकि यह माना जा रहा है कि कोरोना वायरस विदेश से भारत में पहुंचा है तो इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि विदेश से आने वाले ऐसे लोगों के संपर्क में आने से कोरोना संक्रमण ने इंदौर में यह भयावह रूप ले लिया। इसी के साथ दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज से लौटे कई जमातियों और विदेशी जमातियों की वजह से भी ऐसी स्थिति बनी कि इंदौर शहर को कोरोना संक्रमण ने अपनी गिरफ्त में ले लिया। 21 दिन का लॉकडाउन पूरा होने के बाद बुधवार से इसका दूसरा फ़ेज शुरू हो गया जो 03 मई तक चलेगा। दूसरे फ़ेज के 19 दिन की इस अवधि में राज्य सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने हैं अब लोगों की इस तरफ निगाह है।

क्योंकि पिछले 23 मार्च 2020 से लेकर 15 अप्रैल 2020 तक प्रदेश के 52 में से 26 जिलों में संक्रमण फैल चुका है। इंदौर के बाद भोपाल के हालात भी काफी चिंताजनक होती जा रही हैं। यहां 23 मार्च 2020 को 01 कोरोना पॉजिटिव की पहचान हुई थी। उसी दिन मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान ने चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और रात को ही कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने भोपाल और जबलपुर में लॉकडाउन की घोषणा कर दी थी और कोरोना संक्रमण के लिए राहत कार्यों में जुट गए थे। जिसको लेकर उन्होंने सबसे पहले दो हेल्पलाइन नंबर जारी किए और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठकर कर प्रदेश में कोरोना संक्रमण को लेकर जानकारी ली। वहीं जब तक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कोरोना वायरस की भयावहता समझ पाते तब तक 28 मार्च 2020 को भोपाल में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 01 से बढ़कर 03 हो चुकी थी। यही नहीं इंदौर में यह दो अंको को पार कर 16 कोरोना संक्रमित मरीजों के साथ दो व्यक्तियों की जान भी ले चुकी थी जिसमें से एक उज्जैन शहर का रहने वाला था।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, म, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

बहुत जरूरी है नक्सलवाद का समाप्त होना

विचार बिन्दु

रंजना मिश्रा

कभी हथियार और गोला बारूद से मदद को लेकर, कभी फंडिंग को लेकर, तो कभी नक्सलियों को ट्रेनिंग देने को लेकर, चाइना इनको हर तरह से सपोर्ट करता है?। लाल आतंक की मदद का आरोप केवल चीन पर ही नहीं बल्कि पाकिस्तान पर भी लगता रहा है, कई बार नक्सलियों के पाक कनेक्शन की भी पोल खुल चुकी है और खास तौर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई कई बार बेनकाब हो चुकी है। आई एस आई के झारखंड और छत्तीसगढ़ में नक्सली अभियान को समर्थन देने के सबूत भी मिल चुके हैं।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुआ नक्सली हमला एक बार फिर सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है। कई रणनीतियों और कई ऑपरेशन्स के बाद भी नक्सली समस्या कम होने का नाम ही नहीं ले रही। चौंकाने वाली बात यह है कि छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसी जगहों के पिछड़े इलाकों से आने वाले कई युवाओं को लुभाने की कोशिश की जा रही है। साल 2018 में हुई कुछ रिसर्चों से पता चला है कि नक्सली युवाओं को लुभाने के लिए अपनी विचारधारा का नहीं बल्कि अपनी यूनिफॉर्म और अपने हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे इन दोनों हथकंडों को अपनाकर ट्राइबल एरियाज़ में रहने वाले युवाओं को उनकी जमीन के लिए लड़ने के लिए उकसाते हैं। इस स्पेशल स्टडीज के जरिए उन वजहों का पता लगाने की कोशिश की गई थी कि आखिर क्यों आदिवासी इलाकों से आने वाले युवा नक्सल आंदोलन से जुड़ने लगे हैं। हालांकि ऐसे युवा कुछ समय बाद नक्सली आंदोलन को छोड़कर चले भी जाते हैं। इस स्टडी में 25 ऐसे नक्सलियों का इंटरव्यू लिया गया था, जिन्होंने 12 से 13 साल के बाद आत्मसमर्पण कर दिया था। चौंकाने वाली बात यह है कि इन सभी 25 युवाओं को इतने वर्षों में नक्सली विचारधारा समझ ही नहीं आई थी और ना ही वे यह बता सके थे कि क्यों उन्होंने इस प्रतिबंधित संगठन का दामन थामा था। 92 फीसदी नक्सलियों ने बताया था कि वे इस आंदोलन से सिर्फ इसलिए जुड़े थे क्योंकि नक्सलियों की यूनिफार्म सेना की तरह हरे रंग की होती है, उनके पास बंदूकें होती हैं और इसी वजह से नक्सलियों ने गांव वालों पर अपना एक अलग प्रभाव छोड़ा था। इन वजहों के अलावा गरीबी, बेरोजगारी, व्यक्तिगत या पारिवारिक दुश्मनी भी कुछ ऐसी वजहें हैं, जो युवाओं को नक्सलवाद से जोड़ने के लिए प्रेरित करती हैं। इनमें से कोई भी युवा नक्सली विचारधारा की वजह से नहीं जुड़ा था, इसलिए जब सरकार की तरफ से सरेंडर पॉलिसी आई, तो 25 फीसदी ने बीमारी के चलते संगठन को अलविदा कह दिया था। इस रिसर्च में यह बात भी सामने आई है कि करीब 33 फ़ीसदी कैडर्स सरकार की सरेंडर पॉलिसी से प्रभावित हुए थे, वहीं 13 फीसदी ऐसे थे जो अपने सीनियर्स की तरफ से हो रहे शोषण से परेशान थे।

1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से शुरू हुआ यह आंदोलन 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' के संस्थापक 'माओत्से तुंग' की विचारधारा से प्रेरित था। माओत्से तुंग का मानना था कि राजनीतिक सत्ता बंदूक की नली से निकलती है। उनका कहना था ''राजनीति रक्तपात रहित युद्ध है और युद्ध रक्तपात युक्त राजनीति है।'' भारत में माओ के विचार को लागू करवाने वाले नेता चारु मजूमदार और कानू सान्याल थे, जो यह मानते थे कि गरीबों को उनका हक दिलाने के लिए सरकार का बंदूक और बारूद के जरिए विरोध करना चाहिए और सरकार को बदल देना चाहिए। नक्सलवाद, माओवाद, अर्बन नक्सल, अर्बन गुरिल्ला ये सब आज भी बंदूक और बारूद वाले विचारों से भरे हुए हैं। लाल गलियारे यानी कि रेड कॉरिडोर की यह विचारधारा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास नहीं करती, इनकी आस्था सशक्त क्रांति में है।थोड़ा बहुत ब्रेन का इस्तेमाल और बाकी बम और बारूद की विध्वंसक ताकत, इसी के आधार पर नक्सलबाड़ी से निकली नक्सलवाद की विचारधारा कथित तौर पर सामाजिक न्याय कायम करने की डुगडुगी बजाती है। भारत में हथियारबंद बगावत की यह बयार नक्सलबाड़ी से आई, इसने पहले पड़ोस के बिहार और झारखंड को अपने आगोश में लिया, फिर छत्तीसगढ़ और उड़ीसा चपेट में आए और फिर यह आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र तक फैल गई।

नक्सलबाड़ी गांव में पैदा हुए कानू सान्याल हिंसक तरीके से सत्ता को हथियाना चाहते थे। जमीन पर मालिकाना हक को लेकर नक्सलबाड़ी में 23 मई 1967 को तीर कमान से लैस बागियों और किसानों का पुलिस से संघर्ष हुआ। नक्सलबाड़ी आंदोलन को भारत में वैचारिक सहयोग, देश के वामपंथी दलों से मिला, लेकिन बाद में कई वामपंथी दल मानने लगे थे कि भारत की जनता अभी सशस्त्र क्रांति के लिए तैयार नहीं है और यही वजह थी कि बाद में कई नक्सली नेता भारत की राजनीति में शामिल हो गए, इसके बाद धीरे-धीरे नक्सलियों का प्रभाव भी भारत के जिलों से कम होने लगा। पिछले 20 वर्षों में नक्सली हमलों में करीब 12 हजार लोग मारे गए हैं। नक्सलियों से जुड़े संगठन, आदिवासी इलाकों में तेंदु लीव्स पर टैक्स लगाकर, अवैध खनन से, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भारत की 40% कोयला खदानें हैं उन पर टैक्स लगाकर, इसके अलावा यहां बड़ी तादाद में लोहा, चूना, पत्थर और बॉक्साइट जैसे कीमती पत्थर और खनिज मौजूद हैं जिन्हें चोरी-छिपे बेचकर पैसा कमाते हैं, उन्हें विदेशों से भी फंडिंग होती है। इन पैसों से नक्सली संगठनों को मजबूत किया जाता है और उन्हें आधुनिक हथियार उपलब्ध कराए जाते हैं, इसप्रकार हमारे देश की अनमोल धरोहरों का दोहन करके ये लोग देश के दुश्मनों के साथ मिलकर देश के साथ गद्दारी करते हैं और देश के जवानों को मारते हैं। जितना जरूरी विदेश में बैठे देश के किसी दुश्मन को मारना है, उससे भी ज्यादा अब अपने देश का खाने वाले और अपने देश से गद्दारी करने वाले इन खूंखार नक्सलियों का मारा जाना जरूरी हो गया है। वर्ष 2010 में भारत के 200 जिले नक्सल प्रभावित थे, हालांकि अब नक्सलियों की जड़ें कमजोर होने के साथ सीमित होने लगी हैं, इसमें काफी कामयाबी मिली है।

माना जा रहा है कि 3 अप्रैल के हमले का मास्टरमाइंड माडवी हिडमा है, जिसकी उम्र करीब 40 साल है और इस पर 40 लाख का इनाम है, वह छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के पुवर्ती गांव का आदिवासी है, 90 के दशक में वह नक्सली बना?, वह पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी यानी पीएलजीए की बटालियन नंबर 1 का मुखिया है। हिडमा को उसके भयंकर और घातक हमलों के लिए जाना जाता है। हिडमा करीब 180 से 250 नक्सलियों के समूह का सरगना है, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं। हिडमा की बटालियन ही सभी बड़े हमलों को अंजाम देती है। सुकमा के जगरमुंडा इलाके में इसका काफी प्रभुत्व है। दंतेवाड़ा से लेकर झीरम घाटी तक में खूनी खेल हिडमा की बटालियन ने ही खेला है। दसवीं तक की पढ़ाई पूरी कर नक्सलवादी आंदोलन में शामिल होने वाला हिडमा फर्राटेदार इंग्लिश भी बोलता है, जिसके कारण वह अर्बन नक्सली नेताओं का चहेता है। नक्सल प्रभावित इलाकों में सरकार द्वारा किए गए विकास के कार्य नक्सलियों को नागवार गुजरते हैं। सड़क, पुल निर्माण, स्कूल, मोबाइल टावर, रोजगार के ट्रेनिंग सेंटर ये चार से पांच ऐसे सेक्टर हैं, जिन पर सरकार का फोकस है, क्योंकि अगर ये चीजें आदिवासियों तक पहुंच जाएंगी तो ये लोग नक्सलियों के चंगुल से बहुत हद तक बाहर हो सकते हैं। कई ऐसे डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स पर नक्सलियों ने हमले किए हैं, जिनसे आदिवासियों का विकास होता और जो उनके लिए फायदेमंद साबित हो सकते थे। कुछ लोगों का मानना है कि इनके हथियार उठाने के पीछे का मुख्य कारण है कि इनको बुनियादी सुविधाओं की जरूरत है, ये अपने अधिकारों की बात करते हैं, किंतु वास्तव में ये हथियार वसूली करने के लिए उठाते हैं। भारत में नासूर बन चुके नक्सली और चीन के कनेक्शन को लेकर अब कई खुलासे हो चुके हैं।

महावीर स्वामी ने अहिंसा को अपने धर्म का मूल मंत्र बनाया

तपस्या और साधना द्वारा पूर्ण आत्मशक्ति प्राप्त कर लेने पर महावीर कार्यक्षेत्र में अवतीर्ण हुए और पूरे तीस वर्ष तक विशेष रूप से बिहार और गौण रूप से भारत के अन्यान्य प्रदेशों में भी प्रचार कार्य करते रहे। यद्यपि उनकी धर्मयात्राओं का ठीक वर्णन कहीं नहीं मिलता तो भी उपलब्ध वर्णनों से यही विदित होता है कि उनका प्रभाव विशेष रूप से क्षत्रियों और व्यवसायी वर्ग पर पड़ा, जिनमें शूद्र भी बहुत बड़ी संख्या में सम्मिलति थे।

महावीर अहिंसा के दृढ़ उपासक थे, इसलिए किसी भी दिशा में विरोधी को क्षति पहुंचाने की वे कल्पना भी नहीं करते थे। वे किसी के प्रति कठोर वचन भी नहीं बोलते थे और जो उनका विरोध करता, उसको भी नम्रता और मधुरता से ही समझाते थे। इससे परिचय हो जाने के बाद लोग उनकी महत्ता समझ जाते थे और उनके आंतरिक सद्भावना के प्रभाव से उनके भक्त बन जाते थे। महावीर स्वयं क्षत्रिय और राजवंश के थे, इसलिए उनका प्रभाव कितने ही क्षत्रिय नरेशों पर विशेष रूप से पड़ा। जैन ग्रंथों के अनुसार राजगृह का राजा बिंबिसार महावीर का अनुयायी था। वहां पर इसका नाम श्रेणिक बताया गया है और महावीर स्वामी के अधिकांश उपदेश श्रेणिक के प्रश्नों के उत्तर के रूप में ही प्रकट किये गये हैं। आगे चलकर इतिहास प्रसिद्ध महाराज चंद्रगुप्त मौर्य भी जैन धर्म के अनुयायी बन गये थे और उन्होंने दक्षिण भारत में आकर जैन मुनियों का तपस्वी जीवन व्यतीत किया था।

उड़ीसा का राजा खाखेल तथा दक्षिण के कई राजा जैन थे। इसके फलस्वरूप जनता में महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अच्छा प्रचार हो गया और उनके द्वारा प्रचारित धर्म कुछ शताब्दियों के लिए भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। आगे चलकर अनेक जैनाचार्यों ने जैन और हिंदू धर्म के समन्वय की भावना को भी बल दिया, जिसके फल से सिद्धांत रूप से अंतर रहने पर भी व्यवहार रूप में इन दोनों धर्मों में बहुत कुछ एकता हो गई और जैन एक संप्रदाय के रूप में ही हिंदुओं में मिल जुल गये।

महावीर स्वामी का सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा का है, जिनके समस्त दर्शन, चरित्र, आचार?विचार का आधार एक इसी अहिंसा सिद्धांत पर है। वैसे उन्होंने अपने अनुयायी प्रत्येक साधु और गृहस्थ के लिए अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रम्हचर्य, अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक बताया है, पर इन सबमें अहिंसा की भावना सम्मिलित है। इसलिए जैन विद्वानों का प्रमुख उपदेश यही होता है? 'अहिंसा ही परम धर्म है। अहिंसा ही परम ब्रम्ह है। अहिंसा ही सुख शांति देने वाली है। अहिंसा ही संसार का उद्धार करने वाली है। यही मानव का सच्चा धर्म है। यही मानव का सच्चा कर्म है। अहिंसा जैनाचार का तो प्राण ही है। जैनियों के आचार-विचार, अहिंसा के विषय में चाहे जैसे रूढिवादी बन गये हों, पर इसमें संदेह नहीं कि महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया, वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र का निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं रखी जा सकती। यद्यपि अहिंसा का प्रतिपादन सभी धर्मोपदेशकों ने अपने-अपने ढंग से किया है, पर जिस प्रकार महावीर और बुद्ध ने अहिंसा पर सबसे अधिक बल देकर उसी को अपने धर्म का मूलमंत्र बनाया, ऐसा किसी अन्य धर्म संस्था ने नहीं किया।

17 अप्रेल की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1995	पाकिस्तान में बाल मज़दूरी को समाप्त करने वाले युवा कार्यकर्ता इक़बाल मसीह की हत्या।
2003	55 वर्षों बाद भारत-ब्रिटेन संसदीय मंच का गठन।
2006	सूडान के रवैये से चाड अफ़्रीकी संघ शांति वार्ता से हटा।
2007	2014 के एशियाड के लिए दक्षिण कोरिया को मेजबानी मिली।
2008	मुद्रास्फीति की दर 0.27% गिरकर 7.14% हुई। हानुंग टामस एण्ड टेक्सटाइल्स लिमिटेड ने चीन की कम्पनी को ख़रीदने के लिए सहमति ज्ञापन दिया। भारत व ब्राजील के बीच चार महत्त्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए।
जन्मे व्यक्ति	
1941	आशाराम बापू - प्रसिद्ध भारतीय आत्मज्ञानी संत।
1961	गीत सेठी - भारत के बिलियर्ड्स और स्नूकर खिलाड़ी।
निधन	
1794	विलियम जोंस - अंग्रेज़ प्राच्य विद्यापंडित और विधिशास्त्री तथा प्राचीन भारत संबंधी सांस्कृतिक अनुसंधानों के प्रारम्भकर्ता।
1908	राधानाथ राय - उड़िया भाषा और साहित्य के प्रमुख कवि।
1946	वी. एस. श्रीनिवास शास्त्री - भारत के समाज सुधारक।
1975	सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति।

सभ्यता के मलय चंदन का शीतल सुवासित तिलक है विरासत

विचार बिन्दु

प्रमोद दीक्षित 'मलय'

खजाने की खोज में प्रस्तर मूर्तियां खंडित की और तमाम छोटे किले खोद कर धराशायी कर दिए गए। इन पुरातात्विक महत्व की इमारतों की कोई भी ऐसी दीवार ऐसा, कोना नहीं बचा जहां पर नासमझ मनुष्य ने कील या नाखून से अपने हस्ताक्षर उत्कीर्ण न किये हो।

अविराम गति नवल सर्जना की पीठिका है और ठहराव अवसान का द्योतक। इसलिए कालचक्र की नियति निरन्तर गतिशीलता ही है। काल पुरुष सभ्यताओं एवं संस्कृतियों के उत्थान, विकास एवं पतन का एकमात्र साक्षी होता है। सभ्यताएं जन्मती हैं और अपना सृजन-दायित्व निभाकर जीवन का पटाक्षेप भी करती हैं। फिर उसी उर्वर भूमि पर अनुकूल समय, समिधा एवं श्रम का समन्वित साकल्य प्राप्त कर किसी दूसरी सभ्यता-संस्कृति का अंकुर फूटता है और काल द्वारा प्रदत विस्तृत फलक पर अपनी मेधा, प्रतिभा एवं विवेक बुद्धि से कला, साहित्य, स्थापत्य के तेजोमय सितारे टांकते हुए सृजन के मनोहारी विविध रंग बिखेर कर किसी अन्य सभ्यता और संस्कृति के लिए आधार तैयार कर विदा लेती है। सभ्यताओं के उद्भव, विकास, विस्तार और पराभव का यह क्रम चलता ही रहता है। यही सृष्टि का नियम है। पर कोई भी सभ्यता-संस्कृति अपने कर्म की चादर समेटने से पूर्व सर्जना के ऐसे बेजोड़ अद्भुत ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक आदर्श स्थापित कर जाती है जो आने वाली पीढ़ी के लिए गर्व, गरिमा और गौरव बन उसके भाल पर सुशोभित हो अपने कौशल, कल्पना, कर्मशीलता की स्वर्णिम आभा से जग को आलोकित करती है। यही सृजन प्रत्येक पीढ़ी को उसके पूर्वजों से प्राप्त थाती को संभालते हुए कुछ नया और बेहतर रचने-गढ़ने को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करता है जो सुसंस्कृत, वैज्ञानिक चेतना संपन्न और कल्याणकारी हो। पुरखों से प्राप्त सर्जना के ये अप्रतिम उदाहरण वह धरोहर के रूप में संजोकर रखता है ताकि आगामी पीढ़ी को सौंप सके। प्रकृति भी अपनी ओर से कुछ उत्कृष्ट रचनाएं धरोहर रूप में लोक को भेंट करती है। विरासत में प्राप्त ये अमूल्य रत्नरूपी धरोहरें वास्तव में काल पुरुष के भाल पर संस्कृति का किरीट है, सभ्यता के मलय चंदन का शीतल सुवासित तिलक है। कर्णपुटों में फंसा चैत्रीय पाटल के इत्र का फाहा है जिसकी सुगंध से लोक शान्ति, सुख एवं समृद्धि का अनुभव करता है। वास्तव में धरोहरें जीवित-जाग्रत इतिहास वृत्त है। मानव के सिर पर तना कला-वितान है जिसकी सुखद छांव में वह नवल रचना-कर्म की ओर प्रवृत्त होता है। विश्व में धरोहर के रूप में प्रत्येक देश में ऐसे निर्माण स्थल उपलब्ध हैं जिस पर संपूर्ण मानव जाति गौरवान्वित है। भले ही कोई धरोहर किसी स्थान विशेष में अवस्थित और किसी देश के अधिकार क्षेत्र में हो पर वे वैश्विक हैं, साझी हैं, क्योंकि वे किसी काल विशेष का मानवीय इतिवृत्त है। प्रकृति की भौगोलिक बदलाव की गाथा है। इसलिए चाहे वे गीजा के रहस्यमय पिरामिड हों, विज्ञान को चुनौती देती पीसा की झुकी मीनार हो या सौंदर्य के प्रतिमान के मानक गढ़ता ताजमहल। कुंभलगढ़ किले की सुदृढ सुरक्षात्मक प्राचीर हो या अंतरिक्ष से भी दिख जाने वाली चीन की विशाल दीवार। गुलाबी नगरी जयपुर हो या इराक का बेबीलोन शहर, लाओस के लौहयुगीन हजारों मटकों वाला क्षेत्र हो या जापान के पंद्रह सौ साल पुराने 49 शाही मकबरे या फिर कम्बोडिया के अंकोरवाट स्थित मंदिर। इन हजारों-हजार अमूल्य धरोहरें प्राप्त कर हम हर्षित हैं और गर्वित एवं गौरवान्वित भी। पर समय के साथ-साथ ये धरोहरें शनैः शनैः छीज रही है। मानव के लोभ, स्वार्थ एवं भोगवादी व्यवहार से कला के अप्रतिम उदाहरण नष्ट हुए है और मानव जीवन की गरिमा कलंकित हुई है। मानवीय मूल्यों एवं आदर्शों को खूंटी पर टांग कर मानव अपने उत्तरदायित्वों से मुंह मोड़े केवल स्व की संतुष्टि के सारहीन जीवन में निमग्न है।

इन धरोहर स्थलों पर हमेशा नुकसान की आशंका बनी रहती है। नवीन विकास, शहरीकरण, प्राकृतिक आपदाओं, हिंसा एवं आतंकी गतिविधियों के कारण बहुत सारे धरोहर स्थल क्षतिग्रस्त हुए हैं जिनमें 2001 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान बामियान की बौद्ध मूर्तियां, 2012 में सहारा मरुभूमि का ऐतिहासिक व्यापरिक नगर टिम्बक्टू एवं इस्लामिक स्टेट द्वारा सीरिया तथा इराक में कुछ वैश्विक धरोहरों का नष्ट किया जाना चिंतनीय है। धरोहरों के नष्ट होने से इतिहास नहीं बदल सकता। ऐतिहासिक धरोहरों की जितनी दुर्दशा भारत में हुई और अभी भी हो रही उतना किसी देश में नहीं हुआ। हम भारतीयों में अपने अतीत के वाचिक गौरव गान का आनन्द तो है पर धरोहरों को संभालने की जिम्मेदारी का नितांत अभाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में समृद्ध धरोहर के रूप में प्राप्त किले, महल, शिलालेख, ताल-बावली, मंदिर तथा प्रकृति प्रदत्त नदियों, पुराकालीन गुफाओं एवं कानन-पर्वतों आदि का संरक्षण करने की बजाय हमने अपने हाथों स्वयं उसे उजाड़ा है, नष्ट-भ्रष्ट किया है।

किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।

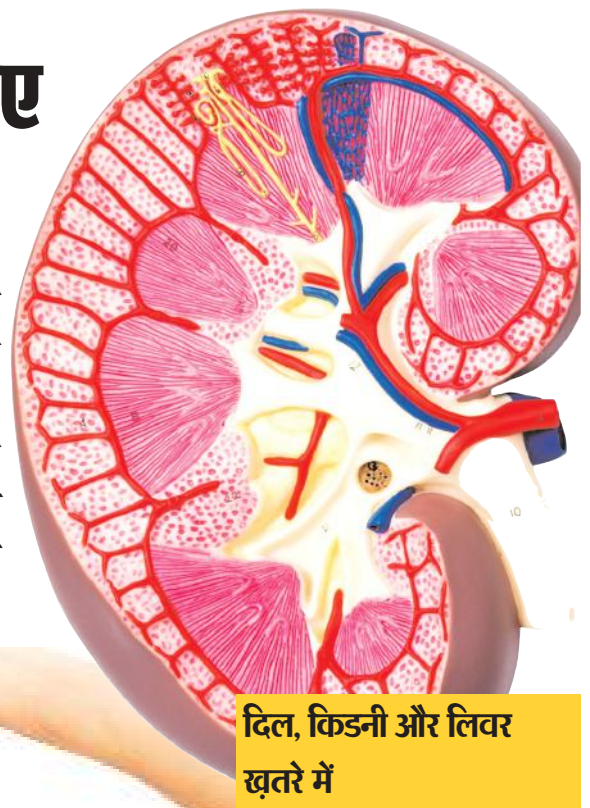

दिल, किडनी और लिवर ख़तरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज़्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजें को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं।

कई बार एकाएक बेहोशी या दौरे जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

मरीज़ की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

दो तरह से होता है प्रभाव

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्ठी पर काम करने वाले मज़दूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

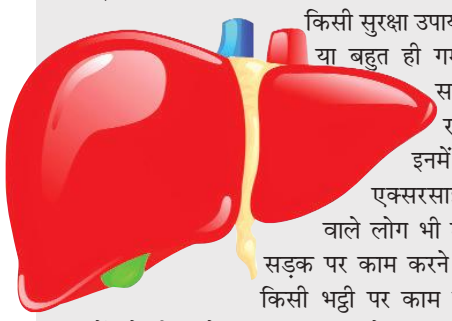

एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटैक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

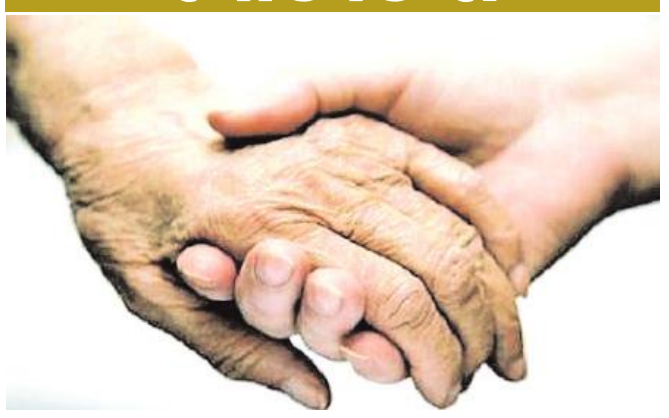

'जियो और जीने दो' के सिध्दांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृध्दावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दु:ख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु (नर्व) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।

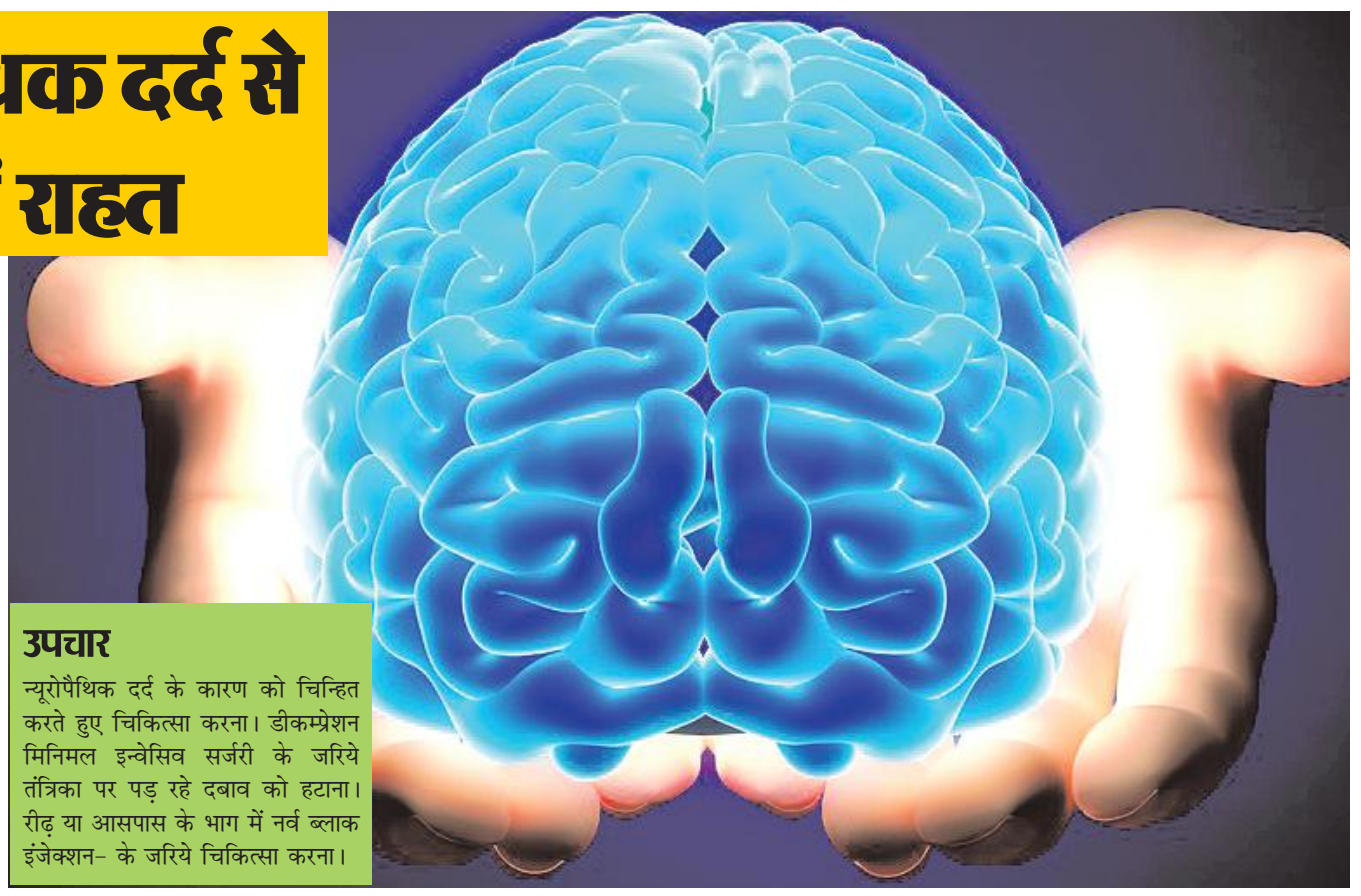

उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्प्रेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करेंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डाइबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है- इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डाइबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

व्यायाम- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

खान- पान: में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त वसा का सेवन लाभकारी है।

क्यों उठ रहा है दिमाग में भूकंप

बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।

पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसॉर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बाबत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिस्आर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता हैं। धीरे-धीरे यह भय एंग्जाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।

मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज़्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हज़ार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताज़ा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हज़ार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज़्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज़्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज़्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गेम्स आदि पर रोज़ दो घंटे से ज़्यादा समय बिताते हैं।

स्त्रियों में कुपोषण की समस्या

कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्रायः शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरूष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहां हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दुःखदायी बनती जा रही है। स्त्री चूंकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अतः उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अतः यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण = कुपोषण होने पर प्रायः शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गड्ढे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपोशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है।

विटामिन बी:की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं।

विटामिन सी: की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है।

कारण: कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्यूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईष्या, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना।

नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर ठंडे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोटिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटेशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निर्णय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्रायः अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर हीं भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	7	6	1	12
कोलकाता	6	4	2	8
चेन्नई	6	4	2	8
हैदराबाद	6	4	2	8
लखनऊ	6	3	3	6
गुजरात	6	3	3	6
पंजाब	6	2	4	4
मुंबई	6	2	4	4
दिल्ली	6	2	4	4
बेंगलोर	7	1	6	2

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
361 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

युजवेन्द्र चहल
12 विकेट
राजस्थान

बाउंड्री मीटर
938 चौके
546 छक्के

आईपीएल में इन गेंदबाजों ने किया है विराट कोहली को सबसे ज्यादा बार आउट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग में विराट कोहली के आंकड़े कमाल के हैं। वह इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। एक तरफ जहां उनकी फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस लीग में अब तक एक भी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है तो वहीं, कोहली के बल्ले से हमेशा रन निकले हैं। हालांकि, उन्हें कई गेंदबाजों ने परेशान भी किया है और जब-जब कोहली उनके सामने आए इन गेंदबाजों ने अधिकांश बार उन्हें पवेलियन पहुंचाया।

संदीप ने सबसे ज्यादा 7 बार भेजा पवेलियन

राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने आईपीएल में सबसे ज्यादा बार कोहली को आउट किया है। उन्होंने 15 पारियों में 7 बार इस बल्लेबाज को पवेलियन भेजा है। संदीप ने 4 बार आरसीबी के पूर्व कप्तान को पॉवरप्ले के दौरान ही पवेलियन की राह दिखाई है। कोहली ने इस दौरान 67 गेंदों में 87 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 129.85 की रही है। उनके बल्ले से 11 चौके और 1 छक्का निकला है।

नेहरा ने 6 बार किया है कोहली को आउट

पूर्व तेज गेंदबाज और अभी गुजरात टाइटंस के मेंटर आशीष नेहरा ने आईपीएल में कोहली को काफी परेशान किया है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 10 पारियों में 6 बार उन्हें पवेलियन की राह दिखाई है। कोहली इस खिलाड़ी के सामने 54 गेंदों में सिर्फ 60 रन ही बना पाए हैं। नेहरा आईपीएल में 5 टीमों के लिए खेलते हुए नजर आए हैं।

बुमराह ने 5 बार भेजा पवेलियन

आईपीएल में मुंबई इंडियंस के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कोहली को 16 पारियों में 5 बार आउट किया है। साल 2013 में बुमराह ने अपना पहला आईपीएल विकेट कोहली का ही लिया था। इस तेज गेंदबाज के खिलाफ कोहली ने 95 गेंद का सामना किया है और उनके बल्ले से 140 रन निकले हैं। बुमराह का आईपीएल में 100वां शिकार भी कोहली ही थे।

शमी ने भी 5 बार किया आउट

गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चोटिल होने के कारण आईपीएल 2024 नहीं खेल पा रहे हैं। कोहली को इस तेज गेंदबाज ने 12 पारियों में 5 बार पवेलियन की राह दिखाई है। शमी की बाहर जाती हुई स्विंग गेंदों ने कोहली को बहुत परेशान किया है। शमी के खिलाफ कोहली ने 77 गेंदों का सामना किया है और 107 रन बनाए हैं।

खबर संक्षेप

पहलवान रोहित दहिया एशियाई चैंपियनशिप के कांस्य पदक दौर में

बिश्केक (किर्गिस्तान)। भारत के रोहित दहिया ने कांस्य पदक दौर में जगह बनाई जिससे वह मंगलवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप में पदक की दौड़ में बचे देश के एकमात्र ग्रीको-रोमन पहलवान रहे। ऐसे दिन जब अन्य सभी भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों का प्रदर्शन खराब रहा तब दहिया (82 किग्रा) ने दुनिया में 12वें नंबर के पहलवान उज्बेकिस्तान के मुखम्मदकोडिर रसुलोव के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में जगह बनाई। प्रतिस्पर्धा पेश कर रहे अन्य तीन पहलवान परवेश (60 किग्रा), विनायक सिद्धेश्वर पाटिल (67 किग्रा) और अंकित गुलिया (72 किग्रा) शुरुआती दौर में बाहर हो गए। हालांकि सोफिया में 2022 विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले दहिया जापान के योशिदा ताइजो के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 2-7 की शिकस्त के बावजूद कांस्य पदक के दौर में पहुंच गए क्योंकि उन्हें हराने वाले प्रतिद्वंद्वी ने फाइनल में जगह बनाई।

आरसीबी-सनराइजर्स मैच में लगी छक्कों की झड़ी : फिंच

बेंगलुरू। ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने अपने आईपीएल मैच में छक्कों की झड़ी लगा दी जिससे बल्लेबाजी के लिए बहुत अधिक जगह नहीं बची थी और मायने यह रखता था कि सबसे ज्यादा छक्के किसने लगाए। इस मैच में कुल 38 छक्के लगे। फिंच ने कहा कि यह ऐसा मैच कभी नहीं होगा जहां आप बल्लेबाजी के बारे में बात करेंगे। यह ऐसा मैच है जहां आप बात करेंगे कि सबसे ज्यादा छक्के किसने मारे और यही अंतर था। उन्होंने कहा कि उन्हें आरसीबी को 14 रन प्रति ओवर से शुरुआत करनी थी और यदि आपका एक ओवर खराब हुआ तो यह 16 हो जाता है।

हम पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी करना चाहते हैं

बेंगलुरु। सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग में बार बार रिकॉर्ड स्कोर बनाकर टी20 बल्लेबाजी को एक अलग ही स्तर पर पहुंचा दिया है और ट्रेविस हेड का कहना है कि उनकी रणनीति का मुख्य हिस्सा पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन जुटाना रहा है। हेड ने सोमवार को 39 गेंद में 100 रन की पारी खेलकर सनराइजर्स हैदराबाद को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाने में मदद की। हेड ने कहा कि उनकी कोशिश पावरप्ले के अंदर अर्धशतक जड़ने की रहती है। ऐसा दूसरी बार हुआ है।

बटलर की शानदार पारी से राजस्थान ने रोमांचक मुकाबले में कोलकाता को हराया

नारायण पर भारी बटलर की शतकीय पारी रॉयल्स ने कोलकाता के मुंह से छीनी जीत

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

जोस बटलर के नाबाद शतक की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में जोरदार वापसी करते हुए कोलकाता के सुनील नारायण के पहले टी20 शतक पर पारी फेरते हुए उसके मुंह से जीत छीन ली। इसके साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स को दो विकेट से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। नाइट राइडर्स के 224 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स की टीम 13वें ओवर में छह विकेट पर 121 रन बनाकर संकट में थी लेकिन बटलर 60 गेंद में नाबाद 107 रन की बदौलत अंतिम गेंद पर आठ विकेट पर 224 रन बनाकर जीत दर्ज करने में सफल रही। रियान पराग (34) और रोवमैन पावेल (26) ने भी उपयोगी पारियां खेली।

बटलर ने खेली संघर्षपूर्ण पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए बटलर ने संघर्षपूर्ण पारी खेली। उन्होंने लगातार गिर रहे विकेटों के बीच टीम की उम्मीदों को जिन्दा रखा। उन्होंने मैच के आखिरी ओवर के दौरान 55 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। ये उनके आईपीएल करियर का 7वां शतक है। उन्होंने रियान पराग के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की। इसके अलावा उन्होंने रोवमैन पॉवेल के साथ मिलकर 7वें विकेट के लिए 57 रन भी जोड़े।

राइडर्स के खिलाड़ियों की मेहनत गई बेकार

नाइट राइडर्स की ओर से नारायण (30 रन पर दो विकेट), वरूण चक्रवर्ती (36 रन पर दो विकेट) और हर्षित राणा (45 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। नारायण ने इससे पहले ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 56 गेंद में छह छक्कों और 13 चौकों से 109 रन की पारी खेली जिससे नाइट राइडर्स ने छह विकेट पर 223 रन बनाए। उन्होंने अंगकृष रघुवंशी (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी की। इन दोनों के बाद 21 अतिरिक्त रन टीम की ओर तीसरा सर्वोच्च स्कोर रहा। रिंकू सिंह (नौ गेंद में नाबाद 20, दो छक्के, एक चौका) ने अंत में तेजतर्रार पारी खेली।

रायल्स की सबसे बड़ी जीत दूसरे स्थान पर काबिज

आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रायल्स की यह सबसे बड़ी जीत है। रॉयल्स ने इससे पहले 2020 में पंजाब किंग्स के खिलाफ भी 224 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस जीत से रॉयल्स की टीम सात मैच में छह जीत से 12 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार है। नाइट राइडर्स छह मैच में चार जीत से आठ अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
फिल सॉल्ट का एवं बो आवेश	10	13	1	0
सुनील नारायण बो बोल्ट	109	56	13	6
अंगकृष रघुवंशी का अश्विन बो सेन	30	18	5	0
श्रेयस अय्यर पजाया बो चहल	11	07	1	1
आंद्रे रसेल का जुरेल बो आवेश	13	10	2	0
रिंकू सिंह नाबाद	20	09	1	2
वेंकटेश अय्यर का जुरेल बो सेन	08	06	1	0
रमनदीप सिंह नाबाद	01	01	0	0
अतिरिक्त: 21, कुल:20 ओवर में छह विकेट पर: 223 रन				
गेंदबाजी : बोल्ट 4-0-31-1, आवेश 4-0-35-2, सेन 4-0-46-2,चहल 4-0-54-1, अश्विन 4-0-49-0				
राजस्थान रॉयल्स	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
यशस्वी का वेंकटेश बो अय्रेश	19	09	3	1
जोस बटलर नाबाद	107	60	9	6
संजू सैमसन का नारायण बो हर्षित	12	08	2	0
रियान पराग का रसेल बो हर्षित	34	14	4	2
ध्रुव जुरेल पजाया बो नारायण	02	04	0	0
अश्विन का रघुवंशी बो चक्रवर्ती	08	11	1	0
हेटमायर का वेंकटेश बो चक्रवर्ती	00	01	0	0
रोवमैन पावेल पजाया बो नारायण	26	13	1	3
ट्रेंट बोल्ट रन आउट	00	01	0	0
आवेश खान नाबाद	00	00	0	0
अतिरिक्त: 16, कुल:20 ओवर में आठ विकेट पर: 224 रन				
गेंदबाजी: स्टार्क 4-0-50-0, अय्रेश 3-0-45-1, हर्षित 4-0-45-2, नारायण 4-0-30-2, चक्रवर्ती 4-0-36-2, रसेल 1-0-17-0				

खास खबर

गुकेश ने नेपोमनियाच्ची से ड्रा खेला, संयुक्त बढ़त बरकरार

टोरंटो। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 10वें दौर में रूस के इयान नेपोमनियाच्ची से ड्रा खेलकर इस खिलाड़ी के साथ संयुक्त शीर्ष बढ़त कायम रखी। भारतीयों के बीच हुए मुकाबले में आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती ने भी अंक बांटे जबकि फैबियानो कारूआना ने फिरोजा अलीरेजा को और हिकारू नाकामूरा ने निजात अबासोव को पराजित किया। अब साल के इस सबसे बड़े टूर्नामेंट में महज चार राउंड बचे हैं। गुकेश और नेपोमनियाच्ची के समान छह छह अंक हैं जबकि प्रज्ञानानंदा, कारूआना और नाकामूरा इनसे आधा अंक पीछे हैं। गुजराती के छह अंक हैं, जिससे वह अकेले छठे स्थान पर काबिज हैं जबकि अलीरेजा 3.5 अंक और अबासोव दो अंक लेकर दौड़ से बाहर हो गये हैं। मंगलवार को आराम का दिन रहा जिससे मुकाबले आज बुधवार से शुरू होंगे।

गुजरात और दिल्ली के बीच भिड़ंत आज अभी तक जीटी का पलड़ा रहा है भारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 32वें मैच में गुजरात टाइटंस का सामना दिल्ली कैपिटल्स से 17 अप्रैल को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। जीटी ने इस सीजन में 6 में से 3 मैच जीते हैं और फिलहाल अंक तालिका में छठे पायदान पर हैं। इसी तरह नौवें स्थान पर मौजूद डीसी ने 6 में से 2 मैचों में जीत दर्ज की हुई है। दोनों टीमों का एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन भी बड़ा रोमांचक रहा है।

जीटी ने डीसी के खिलाफ जीते हैं 2 मैच

आईपीएल में अब तक दोनों टीमें कुल 3 मैचों में आपस में भिड़ी हैं, जिसमें से 2 मैच जीटी ने जीते हैं, जबकि 1 मैच डीसी ने अपने नाम किया है। आईपीएल 2023 में दोनों टीमें 2 मैचों में आमने-सामने थी, जिसमें से 1-1 मैच दोनों टीमों ने जीते थे।

बीसीबी की दरियादिली, मुस्तफिजुर को दी 1 मई को मैच खेलने की मोहलत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली टीम चेन्नई सुपर किंग्स बेहतरीन फॉर्म में चेल रही है। टीम 6 में से 4 मैच जीतकर अंक तालिका में तीसरे नंबर पर है। इस बीच डिफेंडिंग चैंपियंस को अच्छी खबर मिली है। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान 1 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के मुकाबले के लिए उपलब्ध होंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग के लिए उनकी छुट्टी एक दिन के लिए बढ़ा दी है। बाएं हाथ के गेंदबाज ने सीएसके के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 मैचों में 10 विकेट लिए हैं। बीसीबी ने पहले मुस्तफिजुर को आईपीएल के लिए 30 अप्रैल तक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जारी किया था, लेकिन बोर्ड ने अब उन्हें अपने फ्रेंचाइजी के लिए एक और मैच खेलने के लिए एक और दिन रुकने की अनुमति दे दी है।

मुस्तफिजुर को 30 अप्रैल के बाद वापस लौटना था इस मामले की जानकारी देते हुए बीसीबी अधिकारी ने कहा मुस्तफिजुर को 30 अप्रैल के बाद वापस लौटना था, लेकिन अब हमने उन्हें 1 मई को उनके मैच के लिए रुकने की अनुमति दे दी है। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज 3 से 12 मई तक के लिए उनके 2 मई को आने की उम्मीद है, बाद में हम उन्हें रिलीज करने के लिए तैयार नहीं हैं क्योंकि हम उन्हें विश्व कप से पहले कुछ दिनों के लिए आराम देना चाहते हैं।"

बांग्लादेश को अमेरिका की परिस्थितियों से तालमेल बिठाने के लिए 21-25 मई तक अमेरिका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में ग्रुप स्टेज में 4 मैच में से 2 मैच उसे अमेरिका में खेलना है।

यूनान में प्रज्ज्वलित की गई पेरिस ओलंपिक मशाल

पेरिस। ओलंपिक में जलने वाली लौ दक्षिणी यूनान में प्राचीन खेलों के स्थल पर जलाई गई। बादलों के कारण मंगलवार को पारंपरिक तरीके से लौ जलाने के प्रयास विफल हो गए। पारंपरिक तरीके में चांदी की मशाल जलाने के लिए सूरज का इस्तेमाल किया जाता है जिसके लिए प्राचीन यूनान की पुजारिन की पोशाक पहने एक युवती हाथ में मशाल लिए रहती थी। मंगलवार को एक 'बैकअप लौ का उपयोग किया गया था जिसे सोमवार को अंतिम 'रिहर्सल के दौरान उसी स्थान पर जलाया गया था। मशाल को मशालधारियों की एक रिले द्वारा प्राचीन ओलंपिया के खंडहर मंदिरों और खेल मैदानों से ले जाया जाएगा। यूनान में रिले की 11 दिवसीय यात्रा एथेंस में पेरिस 2024 के आयोजकों को 26 अप्रैल को मशाल सौंपने के साथ समाप्त होगी।

कीवी टीम के प्रमुख खिलाड़ी खेल रहे आईपीएल में

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज कल से

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बीच गुरुवार 18 अप्रैल से 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेली जानी है। न्यूजीलैंड के कई प्रमुख खिलाड़ी इस समय इंडियन प्रीमियर लीग में हिस्सा ले रहे हैं और ऐसे में माइकल ब्रेसवेल की कप्तानी में टीम अपनी चुनौती पेश करेगी। दूसरी तरफ पाकिस्तान की कमान बाबर आजम संभालेंगे। दोनों टीमों के बीच हुए टी-20 क्रिकेट में दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन पाकिस्तान हमेशा न्यूजीलैंड पर हावी रही है।

पाकिस्तान का पलड़ा रहा है भारी

दोनों देशों की टी-20 क्रिकेट में भिड़ंत की बात करें तो पाकिस्तान टीम का पलड़ा भारी रहा है। अब तक दोनों देशों के बीच कुल 39 टी-20 मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें से 21 पाकिस्तान ने जीते हैं, जबकि कीवी टीम 17 मुकाबले ही अपने नाम कर सकी है। इनके अलावा 1 मैच बेनतीजा रहा है। विशेष रूप से न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले 6 में से 5 मैच जीते हैं। न्यूजीलैंड ने पाक धरती पर खेली है इकलौती टी-20 सीरीज पाकिस्तान की धरती पर न्यूजीलैंड ने 2 टी-20 जीते हैं और इतने में ही शिकस्त झेली है।

दोनों देशों के इन बल्लेबाजों ने किया है अच्छा प्रदर्शन

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच हुए टी-20 मैचों में सर्वाधिक रन पाकिस्तानी कप्तान ने 21 मैचों में 755 रन बनाए हैं। उनके बाद इस सूची में केन विलियमसन और मोहम्मद रिजवान हैं। विलियमसन ने पाकिस्तान के विरुद्ध 667 रन बनाए हैं। मोह. रिजवान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 622 रन बनाए हुए हैं। मार्क चैपमैन ने 415 रन बनाए हैं। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 मैचों में सिर्फ बाबर, चैपमैन और फिन एलन ने 1-1 शतक लगाए हैं।

सबालेंका स्टुटगार्ट में पोर्शे ग्रां प्री में बडोसा से भिड़ेंगी

एजेंसी ▶▶ स्टुटगार्ट (जर्मनी)

पाउला बडोसा ने डायना श्नाइडर पर 6-3, 6-4 की जीत से स्टुटगार्ट पोर्शे ग्रां प्री टेनिस प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया जिसमें उनका सामना दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा। सबालेंका स्टुटगार्ट में पिछले तीन साल से उप विजेता रही हैं। वह 2021 में फाइनल में क्रमशः पूर्व नंबर एक एशले बार्टी तथा 2022 और 2023 के फाइनल में मौजूदा नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक से हार गयी थीं। बता दें कि इस टूर्नामेंट में विश्व रैंकिंग की शीर्ष 10 की आठ खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में खेल रही हैं। सचिया ने सासनोविच को हराया। अमेरिका के सचिया विक्रे ने बेलारूस की अलियांकसांद्रा सासनोविच को 7-6, 7-5 से पराजित किया और अब दूसरे दौर में उनका सामना हमवतन कोको गॉफ से होगा।

खबर संक्षेप

सड़क निर्माण बढ़कर 13,000 किलोमीटर होगा : इक्रा

नई दिल्ली। देश में चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सड़क निर्माण पांच से आठ प्रतिशत बढ़कर 12,500-13,000 किलोमीटर होने की संभावना है। वित्त वर्ष 2023-24 में 20 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई थी। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने मंगलवार को कहा कि निर्माण की गति को आने वाले चालू वित्त वर्ष में सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) के आने वाली परियोजनाओं, सरकार द्वारा पूंजी परिव्यय में वृद्धि और परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने से मदद मिलेगी।

अपोलो टायर्स को 2.06 करोड़ की कर मांग मिली

नई दिल्ली। अपोलो टायर्स लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसे जीएसटी प्राधिकरण से 2.06 करोड़ रुपये की कर मांग और जुर्माने का आदेश मिला है। कंपनी ने बताया कि तमिलनाडु में जीएसटी प्राधिकरण ने इनपुट टैक्स क्रेडिट(आईटीसी) का लाभ उठाने और अन्य मुद्दों के चलते यह आदेश जारी किया। अपोलो टायर्स ने शेयर बाजार को बताया कि तमिलनाडु के उपायुक्त (सीटी) ने जीएसटी अधिनियम के तहत एक आदेश पारित किया है, जिसमें जीएसटी मांग और जुर्माने सहित 2.06 करोड़ रुपये की मांग की गई है।

जेएनके इंडिया का आईपीओ 23 अप्रैल को खुलेगा

नई दिल्ली। हीटिंग उपकरण बनाने वाली कंपनी जेएनके इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 अप्रैल को खुलेगा। मंगलवार को दाखिल आईपीओ दस्तावेजों (आरएचपी) के अनुसार, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 25 अप्रैल को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशकों के लिए बोली 22 अप्रैल को एक दिन के लिए खुलेगी। आईपीओ में 300 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे।

आदित्य बिड़ला कैपिटल ने पेश किया डिजिटल मंच

मुंबई। आदित्य बिड़ला कैपिटल ने मंगलवार को एक डिजिटल मंच पेश किया। इसके जरिए कंपनी का मकसद अगले तीन वर्षों में तीन करोड़ नए ग्राहक जोड़ने का है। 'आदित्य बिड़ला कैपिटल डिजिटल' पेश किए जाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि इस मंच का उद्देश्य निर्बाध तरीके से नए ग्राहक जोड़ना है।

चीन की अर्थव्यवस्था पहली तिमाही में 5.3 प्रतिशत बढ़ी

हांगकांग। चीन की अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जनवरी-मार्च तिमाही में 5.3 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी। यह विश्लेषकों के करीब 4.8 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। पिछली तिमाही की तुलना में वृद्धि दर 1.6 प्रतिशत बढ़ी। चीन की अर्थव्यवस्था कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रभावों से उबरने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है।

लिंक्डइन ने जारी की शीर्ष भारतीय कंपनियों की सूची, टीसीएस रही टॉप पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रोफेशनल नेटवर्किंग साइट लिंक्डइन हर साल भारत में काम करने वाली 25 बेस्ट कंपनियों की लिस्ट को जारी करती है। साल 2024 की भी शीर्ष 25 कंपनियों की लिस्ट जारी कर दी गई है जिसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने टॉप पर अपनी जगह बनाई है।

मंगलवार को जारी की गई लिस्ट के मुताबिक भारत में काम करने वाली शीर्ष कंपनियों की लिस्ट में दूसरे और तीसरे स्थान पर एक्सेंचर और कॉग्निजेंट का नाम है। इस लिस्ट में सबसे ज्यादा फाइनेंशियल सेक्टर में काम करने वाली कंपनियों ने अपनी जगह बनाई है। इसके अलावा आईटी सेक्टर, डाटा स्टोरेज टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संबंधित कई कंपनियों को भी इस सूची में जगह मिली है।

हर साल देश में काम करने वाली 25 बेस्ट कंपनियों की सूची होती है जारी

टॉप पर रहा बेंगलुरु

इसके अलावा लिंक्डइन ने देश के उन शहरों की भी लिस्ट जारी की है जो कंपनियों के लिहाज से सबसे बेस्ट है। इसमें शीर्ष पर आईटी सिटी बेंगलुरु ने अपनी जगह बनाई है। इसके अलावा इस लिस्ट में हैदराबाद, मुंबई महानगर क्षेत्र और पुणे को भी स्थान मिला है।

मध्यम आकार की कंपनियों की लिस्ट भी जारी

लिंक्डइन ने इस साल मध्यम आकार की कंपनियों जिसमें 250 से 500 कर्मचारी हैं उसकी लिस्ट भी जारी की है। इस मिड साइज कंपनियों की लिस्ट में सास प्लेटफॉर्म लेंट्रा ने शीर्ष पर अपना स्थान बनाया है। वहीं इस लिस्ट में ट्रैवल वेबसाइट मेक माय ट्रिप.प्राडन, नाइका और ड्रीम11 को भी स्थान मिला है।

सातवें स्थान पर एंड्रेस प्लस हाउजर ग्रुप

इस लिस्ट में सातवें स्थान पर एंड्रेस+हाउजर ग्रुप, 8 वें स्थान पर ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब और 9 वें स्थान पर जेपी मार्गन चेंज एंड कंपनी ने अपनी जगह बनाई है। इस लिस्ट में 10वें स्थान पर पेप्सिको का नाम है। टॉप-25 की लिस्ट में एचसीएल-ईवाई, अमेजन, मास्टरकार्ड, आईसीआईसीआई बैंक, मैकलिन और गोल्ड सांचे जैसी कंपनियों के नाम भी शामिल है।

चौथे स्थान पर मैक्वेरी ग्रुप

लिंक्डइन द्वारा जारी की गई शीर्ष 25 कंपनियों की लिस्ट में टीसीएस को सबसे बेस्ट कंपनी का अवार्ड मिला है। टॉप 25 कंपनियों की लिस्ट में 500 से अधिक कर्मचारियों वाली कंपनियों को शामिल किया गया है। पिछले साल भी कंपनी इस लिस्ट में टॉप पर थी। ऐसे में कंपनी ने अपने स्थान को बरकरार रखा है। वहीं इस लिस्ट में चौथे स्थान पर मैक्वेरी ग्रुप, पांचवें पर मॉर्गन स्टेनली और छठे स्थान पर डेलाइट का नाम है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से सराफा में मांग बढ़ी

सोना 700 रुपए के उछाल के साथ नए उच्चस्तर पर, चांदी का भी रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुझानों को देखते हुए मंगलवार को लगातार दूसरे दिन स्थानीय सराफा बाजार में बढ़त का सिलसिला कायम रहा और सोने और चांदी की कीमतें नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गईं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें 700 रुपये बढ़कर 73,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं।

सोमवार को यह 73,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी तरह चांदी की कीमत 800 रुपये उछलकर 86,500 रुपये प्रति किलोग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई।

बाजारों से सकारात्मक संकेत

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, 'विदेशी बाजारों से सकारात्मक संकेत लेते हुए दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमत (24 कैरेट) 73,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही है, जो पिछले बंद भाव से 700 रुपये की तेजी को दर्शाता है।'

खास बातें

- सोना बढ़कर 73, 750 रुपए प्रति दस ग्राम
- चांदी भी 800 रुपए उछलकर 86,500 रुपए प्रति किलोग्राम

सोना 2370 डॉलर प्रति औंस पर कामकाज कर रहा

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,370 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से 15 डॉलर अधिक है। पिछले सप्ताह इजराइल पर ईरान के हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंकाओं के बीच सुरक्षित संपत्ति की मांग बढ़ने से सोने में तेजी आई।

सोना बना सुरक्षित निवेश विकल्प

गांधी ने कहा कि निवेशकों का ध्यान संभावित जवाबी हमले की ओर गया, जिससे दोनों देशों के बीच पूर्ण युद्ध शुरू होने का खतरा बढ़ सकता है। इससे सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सर्राफा की मांग बढ़ी है। चांदी भी बढ़त के साथ 28.40 डॉलर प्रति औंस पर बोली गई।

पावेल के भाषण का इंतजार

पिछले कारोबार में यह 28.25 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी। इसके अलावा निवेशक पिछले सप्ताह उम्मीद से अधिक मुद्रास्फीति के आंकड़ों के बाद मंगलवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल के भाषण का इंतजार करेंगे, जो मौद्रिक नीति दृष्टिकोण पर अधिक जानकारी प्रदान करेगा।

सोने में सबसे अधिक वायदा कारोबार

इस बीच, एमसीएक्स के वायदा कारोबार में सोने का सबसे अधिक कारोबार वाला जून अनुबंध 349 रुपये की तेजी के साथ 72,626 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। दिन में कारोबार के दौरान यह 72,927 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चस्तर पर पहुंच गया।

एमसीएक्स में चांदी में मई अनुबंध घटा

हालांकि, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का मई अनुबंध 314 रुपये की गिरावट के साथ 83,537 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष, शोध विश्लेषक - जिंस एवं मुद्रा जतीन त्रिवेदी ने कहा, एमसीएक्स पर सोने में उछाल आया।

सोने के प्रति धारणा मजबूत

त्रिवेदी ने कहा, कॉमेक्स पर सोना रातोंरात बढ़त के साथ 2,370 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। त्रिवेदी ने कहा कि आगे जाकर जब तक भू-राजनीतिक तनाव बना रहता है और बढ़ता रहता है, तब तक सोने के प्रति धारणा में तेजी बनी रहेगी।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 456 अंक और लुढ़क गया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका के बीच मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 456.10 अंक की गिरावट के साथ 72,943.68 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 124.60 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,147.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, मारुति, आईटीसी, पावरग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक राजनीतिक तनाव की आशंका और हाल-फिलहाल नीतिगत दर में कटौती की संभावना कम होने के बीच घरेलू बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही। अनुमान से अधिक मजबूत अमेरिकी खुदरा बिक्री के आंकड़ों के बाद चिंता बढ़ी है। शेयर बाजार बुधवार को 'रामनवमी' के अवसर पर बंद रहेगा।

निवेशकों की पूंजी 7.93 लाख करोड़ घटी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कमजोर वैश्विक रुझानों के बीच स्थानीय शेयर बाजार में तीन सत्र से जारी गिरावट से निवेशकों की पूंजी 7.93 लाख करोड़ रुपये घट गई है। बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) तीन दिन में 7,93,529.61 करोड़ रुपये घटकर 3,94,25,823.46 रुपये (4750 अरब अमेरिकी डॉलर) पर आ गया है।

15 अप्रैल तक चीनी उत्पादन घटकर 3.10 करोड़ टन पर

गिरावट कर्नाटक में कम उत्पादन के कारण आई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चालू 2023-24 सत्र में 15 अप्रैल तक देश का चीनी उत्पादन थोड़ा घटकर तीन करोड़ 10.9 लाख टन रह गया है। उद्योग निकाय इस्मा के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार यह गिरावट कर्नाटक में कम उत्पादन की वजह से है। वर्ष 2022-23 सत्र की समान अवधि में चीनी का उत्पादन तीन करोड़ 12.3 लाख टन रहा था। भारत दुनिया का एक प्रमुख चीनी उत्पादक देश है। चीनी का मौसम अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। वर्तमान में चीनी निर्यात पर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा हुआ है। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने वर्ष 2023-24 सत्र के लिए शुद्ध चीनी उत्पादन अनुमान को संशोधित कर 3.2 करोड़ टन कर दिया है। इस्मा के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश के प्रमुख चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन चालू सत्र में 15 अप्रैल तक एक करोड़ 9.2 लाख टन से अधिक रहा, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह एक करोड़ 5.9 लाख टन था।

- चीनी का मौसम अक्टूबर से सितंबर तक चलता है

128 मिलों ने अपना परिचालन बंद किया

इस सत्र में 15 अप्रैल तक लगभग 128 मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में 55 मिलें बंद हो गई थीं। इसमें कहा गया है कि कुल मिलाकर 448 कारखानों ने देशभर में अपना पेराई कार्य पूरा कर लिया है, जबकि पिछले साल अप्रैल के मध्य तक 401 कारखाने बंद थे।

सिप्ला करेगी आइविया ब्यूटी का अधिग्रहण

नई दिल्ली। प्रमुख दवा कंपनी सिप्ला लिमिटेड 130 करोड़ रुपये में आइविया ब्यूटी प्राइवेट लिमिटेड के दुनिया भर में सौंदर्य प्रसाधन व व्यक्तिगत देखभाल वितरण तथा विपणन व्यवसाय का अधिग्रहण करेगी। इसमें उसके ब्रांड एस्टाबेरी, आइकिन और भीमसैनी भी शामिल हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी तथा उपभोक्ता स्वास्थ्य सेवा शाखा सिप्ला हेल्थ लिमिटेड (सीएचएल) ने आइविया ब्यूटी प्राइवेट लिमिटेड के सौंदर्य प्रसाधन व व्यक्तिगत देखभाल व्यवसाय के वितरण और विपणन व्यवसाय उपक्रम की खरीद के लिए एक 'बिजनेस ट्रांसफर एग्रीमेंट' (बीटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत से आईफोन का निर्यात हुआ दोगुना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत से एप्पल के आईफोन का निर्यात 2023-24 में लगभग दोगुना होकर 12.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। व्यापार आसूचना मंच 'ट्रेड विजन' ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 6.27 अरब अमेरिकी डॉलर था। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से स्मार्टफोन का कुल निर्यात बढ़कर 16.5 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 12 अरब अमेरिकी डॉलर था। ट्रेड विजन ने कहा कि यह वृद्धि एप्पल की उपस्थिति बढ़ने, भारतीय विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के व्यापक प्रभावों को दर्शाती है। भारत से एप्पल के आईफोन का निर्यात वित्त वर्ष 2022-23 में 6.27 अरब डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 12.1 अरब डॉलर हो गया, जो लगभग 100 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाता है।

भारतीय आईफोन पहुंचे अमेरिका

ट्रेड विजन एलएलसी की उपाध्यक्ष मोनिका ओबेरॉय (बिक्री एवं विपणन) ने कहा, 'भारत सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी पहल ने एप्पल जैसी कंपनियों को स्थानीय विनिर्माण में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया है।' अमेरिकी बाजार में भारत में बने आईफोन की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है।

रुपया 14 पैसे की गिरावट के साथ 83.57 प्रति डॉलर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मंगलवार को 14 पैसे की गिरावट के साथ 83.57 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच घरेलू बाजारों में नकारात्मक रुझान और वैश्विक बाजार में डॉलर के मजबूत होने का असर स्थानीय मुद्रा पर पड़ा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली से रुपया और कमजोर हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.51 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार सत्र के अंत में यह 83.57 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

वर्ष 2028 तक बेरोजगारी दर में 0.97 प्रतिशत की कमी संभव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में बेरोजगारी दर में वर्ष 2028 तक 0.97 प्रतिशत अंक की कमी आ सकती है। एक रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया है कि देश की अर्थव्यवस्था के पांच लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे बेरोजगारी दर घटेगी। शोध संस्थान 'ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ)' की 'भारत रोजगार परिदृश्य 2030' रिपोर्ट के मुताबिक, श्रमबल में बिना रोजगार वाले लोगों का प्रतिशत यानी बेरोजगारी दर वर्ष 2024 के 4.47 प्रतिशत से घटकर 2028 में 3.68 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है। रिपोर्ट कहती है, 'भारत का रोजगार बाजार व्यापक बदलाव का अनुभव कर रहा है। कोविड-19 महामारी के बाद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है।' रिपोर्ट के मुताबिक, 'भारत 7.8 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के साथ 2026-27 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल कर सकता है। मजबूत निजी खपत और सार्वजनिक निवेश से इस वृद्धि को समर्थन मिलेगा।' भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आकार वर्ष 2024 में चार लाख करोड़ डॉलर से थोड़ा कम होने का अनुमान है।

अगली पीढ़ी के रोजगार में सुधार

ओआरएफ के निदेशक और रिपोर्ट के सह-लेखक नीलांजन घोष ने कहा, 'अगली पीढ़ी के रोजगार में सुधार के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण होगा। उद्यमियों का एक नया वर्ग रोजगार सृजन को प्रोत्साहित कर सकता है।'

कंपनी के सीईओ ने लगभग 10 फीसदी कर्मियों को निकालने का किया था ऐलान

टेस्ला 15,000 कर्मचारियों की करेगा छंटनी, मांग में कमी बड़ी वजह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिग्गज इलेक्ट्रिक वेहिकल निर्माता कंपनी टेस्ला में बड़ी छंटनी होने जा रही है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कंपनी के लगभग 10 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का ऐलान कर दिया था। इसके लिए इलेक्ट्रिक वेहिकल की डिमांड में आई सुस्ती को जिम्मेदार बताया गया है। एलन मस्क ने टेस्ला के कर्मचारियों को एक ईमेल भेजा है। मेल में कहा गया है कि कंपनी के कई डिपार्टमेंट में एक ही जिम्मेदारी पर कई लोग काम कर रहे हैं। साथ ही कुछ जगहों पर काम करने के तरीके में भी बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है। हमें कठिन फैसला लेते हुए अपनी ग्लोबल वर्कफोर्स में से 10 फीसदी लोगों को नौकरी से निकालना होगा।

- मस्क ने कर्मचारियों को ई-मेल भेजकर दी जानकारी

तरक्की के लिए कॉस्ट कटिंग जरूरी

एलन मस्क के अनुसार, टेस्ला अपनी तरक्की के अगले फेज की ओर बढ़ रही है। इसके लिए हमें कॉस्ट कटिंग और प्रोडक्शन बढ़ाने के हर तरीके को आजमाना होगा। हमने अपनी कंपनी का पूरा विश्लेषण किया है। इसमें पाया गया है कि हमें अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 10 फीसदी की कटौती करनी पड़ेगी। मुझे ऐसा निर्णय लेने में नफरत होती है लेकिन, यह बेहद जरूरी है।

सीएफओ ने जनवरी में ही दे दिए थे संकेत

कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर वैभव तनेजा ने जनवरी में कहा था कि हमें एक-एक पैसा बचाने की कोशिश करनी चाहिए। हमारे पास एक मजबूत टीम है, जो इस दिशा में काम कर रही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले टेस्ला ने साल 2022 में भी लगभग 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की थी।

कम से कम 15 हजार कर्मचारियों पर गिरेगी गाज

टेस्ला में पिछले साल तक 1,40,473 कर्मचारी थे। पिछले 3 साल में यह आंकड़ा दोगुना हो चुका है। कंपनी अपने ऑस्टिन और बर्लिन प्लांट का उत्पादन बढ़ाना चाह रही है। यदि पूरी दुनिया में यह छंटनी लागू होती है तो कम से कम 15 हजार कर्मचारियों की नौकरी जाएगी। पिछले महीने कंपनी ने जो बिक्री आंकड़े जारी किए थे, उनमें बड़ी गिरावट देखी गई थी। चार साल में पहली बार किसी तिमाही में कंपनी की बिक्री घटी थी। कंपनी के साइबरट्रक द्वारा अच्छा प्रदर्शन न करने के चलते ऐसा माना जा रहा है कि आने वाले समय में सेल में और गिरावट आएगी।

जोमैटो ने बड़े ऑर्डर की आपूर्ति के लिए बनाया अलग दस्ता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

खाद्य उत्पादों के ऑनलाइन आपूर्ति मंच जोमैटो ने 50 लोगों तक की भागीदारी वाले कार्यक्रमों के लिए सामान पहुंचाने के इरादे से मंगलवार को देश में पहली बार बड़े ऑर्डर का एक अलग दस्ता शुरू करने की घोषणा की। जोमैटो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने कई पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बड़े ऑर्डर की आपूर्ति के लिए बना यह खास दस्ता पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करेगा। गोयल ने कहा, 'आज हम भारत का पहला बड़ा ऑर्डर दस्ता पेश करने के लिए रोमांचित हैं। यह दस्ता सामूहिक बड़े समूह, पार्टी एवं आयोजन जैसे आपके सभी बड़े ऑर्डर को आसानी से संभाल पाएगा। पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित यह दस्ता 50 लोगों तक के लिए ऑर्डर पहुंचाने के लिए बनाया गया है।' हालांकि, गोयल ने कहा कि इस दस्ते के लिए निर्धारित इलेक्ट्रिक वाहनों पर अभी काम चल रहा है और जोमैटो इनमें कूलिंग उपकरण और तापमान नियंत्रण वाले बॉक्स जैसे हिस्सों को जोड़ने की दिशा में काम कर रही है।

पीएम मोदी ने हावड़ा और पूर्णिया में लोगों को किया संबोधित

ममता सरकार घुसपैठियों को पनाह दे रही, सीएए का विरोध कर रही और रामनवमी जुलूस और एजेंसियों पर हमले किए जा रहे

एजेंसी ▶▶ हावड़ा/पूर्णिया

पीएम नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के बालुरघाट में उन्होंने मंगलवार को एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य की टीएमसी सरकार की आलोचना की।

पीएम मोदी ने ममता सरकार पर घुसपैठियों को सुरक्षा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ममता सरकार घुसपैठियों को तो सुरक्षा देती है, लेकिन नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का विरोध कर रही है, जो शरणार्थियों को नागरिकता देता है। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अपराध हैं। जब केंद्रीय एजेंसियां इन मामलों की जांच करने की कोशिश करती हैं तो उन पर हमला हो जाता है। टीएमसी ने घुसपैठियों और गुंडों को राज्य पट्टे पर दे दिया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी को लगता है कि दलित, आदिवासी और गरीब अपनी मर्जी से हिल भी नहीं सकते हैं। लेकिन 2024 का यह चुनाव उन्हें बता देगा कि बाबासाहब आंबेडकर के लोकतंत्र में दलित, वंचित और आदिवासी टीएमसी के गुलाम नहीं हैं। टीएमसी ने आदिवासी समुदाय की महिलाओं को अपने घुटनों पर झुका दिया लेकिन जल्द ही टीएमसी घुटनों पर आ जाएगी।

पीएम मोदी ने बंगाल के बालुरघाट में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने राज्य की टीएमसी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अपराध हैं। उधर,पूर्णिया में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की तीसरी पारी को लेकर पहले से ज्यादा उत्साह दिख रहा है।

पूर्णिया में पीएम मोदी की हुंकार

फिर एक बार मोदी सरकार, विकसित भारत के लिए- 4 जून, 400 पार पीएम मोदी बिहार के पूर्णिया में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की तीसरी पारी को लेकर पहले से भी ज्यादा उत्साह नजर आ रहा है। यहां के लोगों से कहा कि उनका ये उत्साह बता रहा है कि 'फिर एक बार मोदी सरकार, विकसित भारत के लिए- 4 जून, 400 पार!'. पीएम मोदी ने कहा कि एक समय था, जब केंद्र की सरकारें बिहार को पिछड़ा कहकर पीछा छुड़ा लेती थीं। बिहार की सरकारें भी सीमांचल को पिछड़ा कहकर पल्ला झाड़ लेती थी, लेकिन हमने सीमांचल और पूर्णिया के विकास को अपना मिशन बनाया है।

रामनवमी के जुलूस को रोकने के लिए टीएमसी रच रही साजिश

पीएम मोदी ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा कि रामनवमी पर रामलला अयोध्या स्थित अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं। मुझे पता है कि हर वर्ष की तरह इस साल भी ममता सरकार ने राम नवमी समारोह को रोकने की पूरी कोशिश की है। उन्होंने समारोह को रोकने के लिए कई साजिशें रची हैं। लेकिन जीत हमेशा सत्य की ही होती है। इसलिए अदालत ने रामनवमी के जुलूस के लिए अनुमति दे दी है।

टीएमसी की दुकान बंद हो जाएगी

पीएम मोदी ने कहा कि बालुरघाट में उमड़ा यह जनसैलाब को देखकर लगता है कि इस बार जीत विकास की होगी। आज पूरा राज्य कह रहा है 4 जून को 400 पार और फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि टीएमसी को लग रहा है कि पीएम मोदी ने योजनाओं को हर गरीब के दरवाजे तक पहुंचाने की गारंटी दे दी है। टीएमसी को लगता है कि अगर जनता को मोदी की गारंटी से लाभ मिला तो राज्य की जनता का विकास हो जाएगा। टीएमसी की दुकान बंद हो जाएगी, इसलिए वे झूठी खबर फैला रहे हैं।

खुले वाहन में सवार होकर रोड शो किया

परमकुडी। भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा ने विशेष खुले वाहन में सवार होकर रोड शो किया। उन्होंने पन्नीरसेल्वम की तारीफ करते हुए उनका प्रचार किया।

डीएमके पर बरसे नड्डा

नड्डा ने तमिलनाडु में रामनाथपुरम जिले के परमकुडी में राजग के प्रत्याशी और पूर्व सीएम ओ पन्नीरसेल्वम के समर्थन में रोड शो किया। राज्य में सत्तारूढ़ दल द्रमुक पर कथित भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साधते हुए नड्डा ने इस पार्टी के लोगों पर 'बालू घोटाले' में लिप्त होने का आरोप लगाया और कहा कि द्रमुक का मतलब - डी यानी डायनेस्टी (वंशवाद), एम यानी मनी स्विंडलिंग (पैसे की हेराफेरी) और के यानी कट्टापंचायत (कंगारू अदालत) है। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज होगी।

21 को योगी-प्रियंका राजनांदगांव में, 22 को नड्डा की तीन और 23 को पीएम की धमतरी, जांजगीर में सभाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा का चुनाव तीन चरणों में होना है। पहले चरण में बस्तर की सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होना है। भाजपा ने अब दूसरे और तीसरे चरण के लिए राष्ट्रीय नेताओं की सभाएं तय की हैं। राजनांदगांव की सीट हाई प्रोफाइल हो गई है, क्योंकि यहां से भाजपा के संतोष पांडेय के सामने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चुनाव लड़ रहे हैं। अब 21 अप्रैल को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा तय की गई है। यह सभा राजनांदगांव में होगी। इसी दिन यहां पर प्रियंका गांधी की भी सभा होगी। इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा यहां पर 3 सभाएं करेंगे। अंतिम में प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी की 23 अप्रैल को धमतरी और जांजगीर में सभाएं होंगी।

जोरहाट में प्रियंका ने किया रोड शो

तिताबड़। असम के जोरहाट जिले में पार्टी उम्मीदवार गौरव गोगोई के समर्थन में एक रोड शो का नेतृत्व करते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अगर इंडी गठबंधन लोकसभा चुनाव जीतता है तो चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी में वृद्धि की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल संविधान को बदलना चाहता है और अगर ऐसा होता है तो देश के आम लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान होगा।जब मैं 2-3 साल पहले विधानसभा चुनावों से पहले असम आई थी और चाय बागानों का दौरा किया था तो मैंने कांग्रेस की सरकार बनने पर मजदूरी बढ़ाने का वादा किया था। आपने भाजपा को चुना और मजदूरी लगभग 250 से आगे नहीं बढ़ाई गई।

- पीएम के इंटरव्यू पर कसा तंज, चाय बागानों की मजदूरी बढ़ाएंगे

राहुल ने सरकार पर साधा निशाना

अग्निवीर देश की रक्षा का सपना देखने वाले युवाओं का 'अपमान'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर अग्निवीर सैन्य भर्ती योजना को लेकर निशाना साधा। राहुल ने आरोप लगाया कि यह योजना पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यालय में तैयार की गई और सशस्त्र बलों पर थोपी गई है। राहुल ने कहा कि केंद्र में इंडिया ब्लॉक की सरकार बनते ही अग्निपथ सैन्य योजना को खत्म कर पुरानी स्थायी भर्ती प्रक्रिया वापस लाई जाएगी। एक पोस्ट में कहा कि अग्निपथ सेना और देश की रक्षा का सपना देखने वाले बहादुर युवाओं का अपमान है। यह भारतीय सेना की योजना नहीं है बल्कि पीएमओ में बनी योजना है जिसे सेना पर थोपा गया है। शहीदों के साथ अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता। सर्वोच्च बलिदान देने वाले हर व्यक्ति को शहीद का दर्जा दिया जाना चाहिए।

आप ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

जेल में बंद केजरीवाल, सिसोदिया और सतेंद्र के भी नाम

अहमदाबाद। आम आदमी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में गुजरात के लिए अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट मंगलवार को जारी कर दी। दिलचस्प बात यह है कि इस सूची में दिल्ली के सीएमअरविंद केजरीवाल, पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सतेंद्र जैन के भी नाम हैं, जबकि ये तीनों ही दिल्ली आबकारी घोटाले के सिलसिले में फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। गुजरात के 'आप' के स्टार प्रचारक की लिस्ट में केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का भी नाम है। पंजाब के सीएम भगवंत मान भी गुजरात में आप के लिए प्रचार करेंगे।

खबर संक्षेप

दुर्गम मतदान केंद्रों के लिए 12 पोलिंग टीमें रवाना

नई दिल्ली। 19 अप्रैल को पहले चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 के मतदान के लिए मतदान टीमें रवाना होनी शुरू हो गयी हैं। उत्तराखंड के दुर्गम मतदान केंद्रों के लिए 12 पोलिंग टीमें रवाना हो गई हैं। पिथौरागढ़ के एक व उत्तरकाशी जिले के ग्यारह सबसे दूरस्थ बूथों के लिए टीमें रवाना हो गई हैं। टीम में मतदान कार्मिक, सुरक्षा कर्मी, फोटोग्राफर, सेक्टर मजिस्ट्रेट और एक जोनल मजिस्ट्रेट शामिल हैं। पिथौरागढ़ जिले की सीमा सील कर दी है।

हुबली के पास सड़क हादसा, 3 की मौत

हुबली। आंध्र प्रदेश के 3 लोगों की हुबली में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। शहर के बाहरी इलाके में एक कार बस सेचकरा गई। इस घटना की जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस की जानकारी के अनुसार ने बताया कि चारों अपने गृह राज्य जा रहे थे जब सोमवार देर रात अंचतगेरी गांव के पास यह दुर्घटना हुई। उनमें से तीन ने दम तोड़ दिया। चौथे का इलाज आईसीयू में किया जा रहा है।

सुरजेवाला के 48 घंटे तक प्रचार करने पर लगी रोक

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने भाजपा सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी पर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को फटकार लगाते हुए चुनाव प्रचार करने पर मंगलवार को 48 घंटे के लिए रोक लगा दी। इस चुनाव में आयोग द्वारा किसी नेता के प्रचार करने पर प्रतिबंध लगाने का यह पहला मामला है। आयोग ने अभद्र टिप्पणी के लिए शोकॉज नोटिस जारी किया था।

मॉब लिंचिंग के शिकार और गो-रक्षकों पर कार्रवाई को लेकर सुनवाई

कन्हैयालाल की हत्या को क्या कहोगे? केस में सिलेक्टिव होने की जरूरत नहीं

याचिकाकर्ता को ही अदालत ने फटकारा

अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न वाली अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट का तीखा सवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मॉब लिंचिंग के शिकार अल्पसंख्यक पीड़ितों के परिवार को मदद मुहैया करवाने और गोरक्षकों पर कार्रवाई को लेकर एक सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को ही 'लताड़' लगा दी। याचिकाकर्ता वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि मॉब लिंचिंग का शिकार हुए अल्पसंख्यकों तो तत्काल वित्तीय मदद दी जाए और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

सुनवाई कर रही जस्टिस बीआर गवाई, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने याचिकाकर्ता वकीलों से कहा कि उदयपुर में दिन दहाड़े मार दिए जाने वाले टेलर कन्हैयालाल के मामले में क्या कहना है? कोर्ट ने वकीलों को फटकारते हुए कहा कि इस मामले को लेकर इस तरह सिलेक्टिव होने की जरूरत नहीं है। याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश हुए वकील निजाम पाशा से सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कन्हैया लाल का क्या हुआ जिनकी लिंचिंग की गई थी। उन्होंने कहा कि आप किसी राज्य या धर्म विशेष को लेकर सिलेक्टिव नहीं हो सकते। कन्हैयालाल की बेरहमी से उनकी दुकान में ही गला काटकर हत्या कर दी गई थी।

जस्टिस गवई ने कहा

झुग्गी-झोपड़ियों में भी पढ़ा व्यक्ति भी बन सकता है जज

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने सोमवार को एक बार फिर से उन्होंने समाज में हाशिए पर रहने वाले समुदाय को लेकर अपनी बात रखी। जस्टिस गवई ने कहा कि हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लोगों को अपनी आवाज खोजने और समाज में अपनी पहचान बनाने में भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बीआर आंबेडकर का महत्वपूर्ण योगदान है। इस दौरान उन्होंने आंबेडकर की प्रशंसा भी की। जस्टिस गवई ने कहा कि देश के लिए डॉ. आंबेडकर के योगदान का मतलब था कि झुग्गी-झोपड़ियों के स्कूलों में पढ़ने वाला व्यक्ति भी सुप्रीम कोर्ट का जज बन सकता है।

वकील तय करें अर्जी सिलेक्टिव न हो

इस मामले में वकील अर्चना पाठक ने कहा कि यह केवल मुस्लिमों की लिंचिंग के बारे में है। आखिर कोई इतना सिलेक्टिव कैसे हो सकता है। किसी भी राष्ट्र को सभी धर्मों के लोगों की रक्षा करना चाहिए। वहीं वकील पाशा ने कहा कि केवल मुस्लिमों की लिंचिंग हो रही है और यह फैक्ट है। कोर्ट ने कहा कि आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि याचिका सिलेक्टिव न हो। जस्टिस गवाई ने वकील पाशा से कहा कि आपको इस बात को लेकर गंभीर रहना चाहिए कि कोर्ट के सामने क्या पेश किया जा रहा है। कोर्ट ने इस मामले को गर्मी की छुट्टियों के बाद के लिए पोस्टपोन कर दिया है। अब 7 जुलाई के बाद मामले की सुनवाई की जाएगी।

महिला ने मांगा 50 लाख मुआवजा, हाईकोर्ट भड़का

मुंबई। महिला महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले की एक महिला कंचन हामशेट्टे ने बॉम्बे हाई कोर्ट में राज्य सरकार की बेरुखी के बाद एक याचिका दायर की थी। उसका कहना था कि उसके पति की मौत कोरोनाकाल में ड्यूटी के दौरान कोरोना की चपेट में आने के चलते हुई थी। महिला ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा उस वक्त के ऐलान के मुताबिक पति की मौत पर 50 लाख की मांग उठाई थी। महिला की यह याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए यह तक कह दिया कि यह मुआवजा कोई इनाम नहीं है। बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ में जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस आर एम जोशी शामिल थे। पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार का रुख गलत नहीं है। अदालत की इस टिप्पणी से मुआवजा मांग रही महिला को करारा झटका लगा है। उन्होंने पति की कोरोना में ड्यूटी के दौरान मौत पर 50 लाख का मुआवजा मांगने वाली अर्ज दी थी।

- कोर्ट ने कहा यह कोई इनाम नहीं

वकीलों को फटकार लगाई

कोर्ट ने वकीलों को फटकारते हुए कहा कि इस मामले को लेकर इस तरह सिलेक्टिव होने की जरूरत नहीं है। याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश हुए वकील निजाम पाशा से सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राजस्थान के टेलर कन्हैया लाल का क्या हुआ जिनकी लिंचिंग की गई थी। उन्होंने कहा कि आप किसी राज्य या धर्म विशेष को लेकर सिलेक्टिव नहीं हो सकते। पूर्व भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट करने के बाद कन्हैयालाल की बेरहमी से उनकी दुकान में ही गला काटकर हत्या कर दी गई थी।

चुनाव आयोग सभी के लिए समान

कानूनी प्रक्रियाओं को ओवरलैप करने का कदम उठाना सही नहीं

पार्टियों, उम्मीदवारों के समान अवसर प्रचार अधिकार की रक्षा को प्रतिबद्ध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने मंगलवार को कहा कि वह पार्टियों और उम्मीदवारों के समान अवसर और प्रचार अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन उसने किसी भी तरह का कदम उठाना सही नहीं पाया है। ऐसा कदम जो कानूनी न्यायिक प्रक्रिया को ओवरलैप कर सकता है।

इससे पहले विपक्षी दलों ने सरकार पर विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था।एक बयान में, चुनाव प्राधिकरण ने कहा कि यह संवैधानिक ज्ञान द्वारा निर्देशित था जब राजनीतिक व्यक्तियों से जुड़ी 'जीवित स्थितियों' को प्रस्तुत किया गया था जो आपराधिक जांच के आधार पर अदालतों के सक्रिय विचार और आदेशों के अधीन थे।

इंडिया ब्लॉक ने की थी शिकायत

इंडिया ब्लॉक के कई राजनीतिक दलों ने सरकार पर उनके नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से संपर्क किया था। उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े एक कथित मामले में ईडी द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद, विपक्ष ने चुनावी मौसम में विपक्ष को चुप कराने के कथित प्रयास के लिए सरकार पर हमला किया था।

नियम कानूनों का पालन करना ही होगा

आयोग उम्मीदवारों के समान अवसर और प्रचार अधिकार की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, लेकिन उसने ऐसा कोई भी कदम उठाना सही नहीं पाया है जो कानूनी न्यायिक प्रक्रिया को ओवरलैप या ओवरराइड कर सकता है।

उत्तर प्रदेश से बंगाल तक लू की मार

कई राज्यों में पारा 40 के पार पहुंचा, उमस से बेचैनी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अप्रैल का आधा महीना बीत चुका है और गर्मी धीरे-धीरे अपना विकराल रूप दिखा रही है। उत्तर भारत के मैदानी राज्यों में दिन में धूप खिली रहने की वजह से मौसम में गर्मी बढ़ने के आसार हैं। भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार सोमवार को बिहार के नौ जिलों में पारा 40 के पार पहुंच गया है।

तटीय राज्यों जैसे कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और गुजरात में गर्म हवाओं के साथ उमस लोगों का बुरा हाल करने वाली है। बंगाल को भीषण गर्मी के तौर पर हाई अलर्ट पर रखा गया है। यहां 17-19 अप्रैल के बीच अलग-अलग इलाकों में तेज लू चलने की संभावना है। इस दौरान तापमान के स्तर में भी बढ़ोतरी होने की आशंका है। केरल के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

पार्टी ने मंगलवार को जारी की सात उम्मीदवारों की सूची में पंजाब

भाजपा ने टीएमसी के अभिषेक के सामने अभिजीत दास (बॉबी) को मैदान में उतारा

उत्तर प्रदेश की देवरिया सीट से शशांक मणि त्रिपाठी और फिरोजाबाद सीट से ठाकुर विश्वदीप सिंह को मिला टिकट

▶▶ नई दिल्ली

पंजाब के खंडूर साहिब से मंजीत सिंह मन्ना, होशियारपुर से अनिता सोम प्रकाश और बठिंडा से परमाल कौर सिद्धू पर जताया भरोसा

भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की एक और सूची मंगलवार को जारी कर दी है। सूची में 7 उम्मीदवारों का ऐलान किया गया है।

इसमें महाराष्ट्र की एक लोकसभा सीट के अलावा पंजाब की 3, उत्तर प्रदेश की 2 और पश्चिम बंगाल की 1 सीट पर उम्मीदवार उतारा है। उत्तर प्रदेश की जिन 2 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया गया है, उनमें देवरिया और फिरोजाबाद शामिल हैं। इसमें पंजाब के 3 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। डायमंड हार्बर से ममता बेनर्जी के भतीजे और टीएमसी उम्मीदवार अभिषेक बेनर्जी के सामने भाजपा ने अभिजीत दास (बॉबी) को टिकट दिया है। भाजपा बंगाल की बाकी 41 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है।

उत्तर प्रदेश की देवरिया सीट से शशांक मणि त्रिपाठी और फिरोजाबाद सीट से ठाकुर विश्वदीप सिंह को चुनावी मैदान में उतारा गया है। पंजाब के खंडूर साहिब से मंजीत सिंह मन्ना को चुनावी मैदान में उतारा गया है, जबकि होशियारपुर से अनिता सोम प्रकाश और बठिंडा से परमाल कौर सिद्धू को टिकट दिया गया है। पूर्व आईएएस परमाल कौर सिद्धू हाल ही में इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हुई थीं। अब तक उनका इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ है। बठिंडा में उनका मुकाबला अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल से हो सकता है। चर्चा है कि हरसिमरत अपनी सीट बदल सकती हैं। आम आदमी पार्टी ने बठिंडा सीट से गुरमीत सिंह खुड्डियां को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं, कांग्रेस की ओर से जीत मोहिंदर सिंह सिद्धू मैदान में हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)